दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 10 अंक : 308 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, बुधवार 03 दिसम्बर, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 मूल्य : 1.50 रुपए पृष्ठ : 8+st

लोकसभा में 8 दिसंबर को 'वंदे मातरम' पर चर्चा, पीएम मोदी करेंगे शुरुआत

जयपुर टाईम्स

नई दिल्ली (एंजेसी) संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि लोकसभा में सोमवार को राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ और मंगलवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक और कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक के बाद यह निर्णय लिया गया। किरेन रिजिजू ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'आज लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान, सोमवार 8 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से लोकसभा में राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर और मंगलवार 9 दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधारों पर चर्चा आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।' बिजनेस एडवाइजरी काउंसिल की बैठक में तय हुआ कि 8 दिसंबर को लोकसभा में 'वंदे मातरम' पर विस्तृत चर्चा होगी। इसके लिए 10 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस ऐतिहासिक चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। माना जा रहा है कि इस बहस में राष्ट्रगीत के इतिहास, महत्व और आधुनिक भारत में उसकी भूमिका पर बात होगी।

वंदे मातरम पहली बार 7 नवंबर 1875 को बंगदर्शन में प्रकाशित हुआ था

बंकिम चंद्र चटर्जी द्वारा रचित 'वंदे मातरम' पहली बार 7 नवंबर, 1875 को साहित्यिक पत्रिका 'बंगदर्शन' में प्रकाशित हुआ था। बाद में, बंकिम चंद्र चटर्जी ने इस भजन को अपने अमर उपन्यास 'आनंदमठ' में शामिल किया, जो 1882 में प्रकाशित हुआ। इसे रवींद्रनाथ टैगोर ने संगीतबद्ध किया था। यह राष्ट्र की सभ्यतागत, राजनीतिक और सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने 7 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित एक वर्ष तक चलने वाले समारोह का उद्घाटन किया था।

एक दिसंबर से शुरू हुआ संसद का शीतकालीन सत्र

संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से शुरू होकर 19 दिसंबर तक चलने वाला यह सत्र 15 बैठकों का होगा। लोकसभा में पहले दो दिन हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं। यह सत्र कई महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अहम माना जा रहा है और सभी दलों के सहयोग से इसे सुचारु रूप से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है।

वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में होगी चर्चा

एक वरिष्ठ सांसद ने समाचार एजेंसी ANI से बात करते हुए बताया कि वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में एक विस्तृत और विशेष चर्चा होगी। यह चर्चा संसद के शीतकालीन सत्र का एक प्रमुख आकर्षण होने की उम्मीद है। यह भारत की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका और समकालीन भारत में इसकी प्रासंगिकता पर चर्चा का अवसर प्रदान करेगी।

एसआईआर पर सरकार और विपक्ष के बीच टक्कर

बता दें कि इससे पहले एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर राज्यसभा में सरकार और विपक्ष के बीच लगातार गतिरोध जारी रहा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है। विपक्षी दलों ने मांग की कि एसआईआर पर चर्चा को अन्य कार्यों की तुलना में प्राथमिकता दी जाए, जबकि रीजीजू ने कहा कि वंदे मातरम पर चर्चा पहले होगी।

बिना व्यवधान के सत्र चलाने पर सहमति

वहीं संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में कल से कार्यवाही बिना किसी व्यवधान के चलाने पर भी सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के कमरे में हुई फ्लोर लीडर्स की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान कई दलों ने सदन की कार्यवाही को नियमित और गंभीर विषयों पर केंद्रित रखने पर सहमति जताई।

9 और 10 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा

वहीं यह भी तय हुआ कि 9 दिसंबर को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी, जिसके लिए 10 घंटे का समय दिया गया है। इस पर सरकार और विपक्ष दोनों अपनी राय रखेंगे। चर्चा पूरी होने के बाद केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल 10 दिसंबर को सरकार की ओर से जवाब देंगे।

दिल्ली में मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, कई केंद्रीय मंत्रियों से मिलने का कार्यक्रम

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह और कई अन्य मंत्रियों से भी करेंगे मुलाकात, प्रवासी राजस्थान दिवस समारोह के लिए दिल्ली दिल्ली के नेताओं को दे रहे निमंत्रण पत्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को फिर से दिल्ली गए जहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की है कुछ दिनों के बाद ही जयपुर में प्रवासी राजस्थान दिवस समारोह का आयोजन हो रहा है इसलिए मंगलवार को दिल्ली दौरे के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने मोदी को प्रवासी दिवस समारोह के लिए निमंत्रण पत्र दिया बताएं इसके अलावा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह तथा कई अन्य केंद्रीय मंत्रियों से मुख्यमंत्री शर्मा के मुलाकात के कार्यक्रम बताई जा रहे हैं इन मुलाकातों के दौरान राजस्थान में पंचायत राज विभाग से संबंधी विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं को लेकर केंद्रीय पंचायत राज मंत्री राजीव रंजन के साथ भी उनकी मुलाकात होने जा रही है जानकारी के अनुसार पंचायत राज विभाग से जुड़ी कुछ बड़ी केंद्रीय योजनाएं हैं जिनमें केंद्र राज्यों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाता है जिसमें महानरेगा भी एक योजना है इसके अलावा और भी योजनाएं और विकास कार्य हैं जिनसे केंद्र से बजट मिलता है इन सबको लेकर मुख्यमंत्री शर्मा राजीव रंजन से मुलाकात करके प्रदेश के पंचायत राज विभाग के कार्यों को गति देने के लिए केंद्र से वित्तीय स्वीकृति हासिल करने के प्रयास मेंहै जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा प्रवासी राजस्थान दिवस समारोह के लिए केंद्र के कई मंत्रियों से मुलाकात करके उन्हें इस बड़े कार्यक्रम में आने के लिए निमंत्रण पत्र भी देने गए हैं इसके अलावा प्रदेश में कई बड़े-बड़े प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य जारी हैं इनमें कई प्रोजेक्ट ऐसे हैं जिसमें केंद्र सरकार भी वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाती है इसलिए प्रदेश के विकास को गति देने और जो प्रोजेक्ट केंद्र सरकार के सहयोग से संपादित हो रहे हैं उनके लिए पैसों का प्रबंध करने के लिए निर्मला सीतारमण से भी मुख्यमंत्री शर्मा की बातचीत हो सकती है प्रदेश में पिछले कुछ दिनों से मंत्रिमंडल का विस्तार और फेरबदल की खबरें भी मीडिया की सुर्खियों में है मुख्यमंत्री शर्मा जब भी दिल्ली दौरे पर जाते हैं तो मीडिया जगत से जुड़े लोगों में और राजनीतिक हलकों में मंत्रिमंडल विस्तार और फेरबदल की चर्चा होना शुरू हो जाती है भले ही मुख्यमंत्री शर्मा दिल्ली में प्रदेश के विकास को गति देने के लिए केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात करें लेकिन मुख्यमंत्री शर्मा जब भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह जैसे नेताओं से मुलाकात करते हैं तो फिर ले देकर प्रदेश में मंत्रिमंडल में फेरबदल और विस्तार की खबरें मीडिया की सुर्खियों में छा जाती है इसलिए इस बार भी मुख्यमंत्री शर्मा के दिल्ली दौरे को लेकर मंत्रिमंडल विस्तार की खबरें फिर से मीडिया की सुर्खियों में छा गई है।

जयपुर में भजनलाल सरकार की कैबिनेट की बैठक : जानकारी के अनुसार आज शासन सचिवालय में भजनलाल सरकार की कैबिनेट की बैठक होने की जानकारी भी मिली है इस बैठक में प्रवासी राजस्थान दिवस समारोह को लेकर ही ज्यादा चर्चा होने की बात कही जा रही है इसके अलावा सरकार के 2 साल के कार्यकाल के पूरा होने के उपलक्ष पर आयोजित कार्यक्रमों को लेकर भी आज की बैठक में चर्चा हो सकती है सरकार अपने 2 साल के कार्यकाल को काफी ऐतिहासिक बता रही है सरकार ने कई बड़े फैसले और निर्णय लिए हैं जिसकी वजह से सरकार अपनी उपलब्धियां को प्रदेश की जनता तक पहुंचाने के लिए कई तरह के कार्यक्रम तो तैयार किया ही हैं इसके अलावा कुछ अन्य विषयों पर भी आज की कैबिनेट की बैठक में विस्तार से चर्चा होकर आवश्यक निर्णय लिए जा सकते हैं ।

आतंकियों की बड़ी साजिश नाकाम, राजस्थान के राजसमंद में विस्फोटक से लदी पिकअप जब्त

जयपुर टाईम्स

राजसमंद (निस.) दिल्ली में हुए कार बम धमाके के बाद राजस्थान पुलिस पूरी तरह अलर्ट है। इसी बीच श्रीनाथजी थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने अवैध विस्फोटक सामग्री से भरी एक पिकअप को जब्त किया है। बताया जा रहा है कि पिकअप में इतनी भारी मात्रा में विस्फोटक भरा था कि अगर इसमें ब्लास्ट होता तो करीब 10 किलोमीटर के दायरे में बड़ा नुकसान हो सकता था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार पिकअप आमेट क्षेत्र से नाथद्वारा की ओर जा रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और वाहन को कब्जे में ले लिया। पिकअप में भरा विस्फोटक देखकर पुलिस टीम भी हैरान रह गई। इसके बाद तत्काल उच्चाधिकारियों को सूचित किया गया और उन्हें भी घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। अधिकारियों के अनुसार पिकअप में मौजूद विस्फोटक की मात्रा इतनी अधिक थी कि इसका ब्लास्ट बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकता था। फिलहाल पुलिस टीम जब्त की गई सामग्री की गिनती कर रही है और उसकी नेचर तथा क्षमता की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि विस्फोटक कहां से लाया गया और इसे किस उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। पिकअप चालक से पूछताछ में कुछ नाम सामने आए हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं को गंभीरता से खंगाल रही है। पुलिस इस पूरे प्रकरण को गंभीर मानते हुए अनेक पहलुओं पर जांच बढ़ा रही है। फिलहाल वाहन चालक व संबंधित व्यक्तियों से पूछताछ जारी है।

सरकारी पैसों से बाबरी मस्जिद बनवाना चाहते थे नेहरू', राजनाथ सिंह बोले- सरदार पटेल ने उन्हें रोका

जयपुर टाईम्स

अहमदाबाद (एंजेसी)रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक बड़ा राजनीतिक दावा किया है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू सार्वजनिक धन से यानी सरकारी पैसे से अयोध्या में बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे, लेकिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस प्रस्ताव को आगे नहीं बढ़ने दिया। गुजरात के सडली गांव में आयोजित 'यूनिटी मार्च' कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने पटेल की भूमिका और उनके विचारों को विस्तार से बताया। राजनाथ सिंह ने कहा कि नेहरू ने सार्वजनिक धन से बाबरी मस्जिद बनाने का सुझाव दिया था, लेकिन पटेल ने साफ मना कर दिया। उन्होंने आगे दावा किया कि नेहरू ने पटेल के निधन के बाद उनके स्मारक के लिए जनता द्वारा जुटाए गए धन को कुएं और सड़कों के निर्माण में खर्च करने का सुझाव दिया था, जो उनकी विरासत को दबाने की कोशिश थी। रक्षा मंत्री ने कहा कि पटेल सच्चे अर्थों में उदार और निष्पक्ष नेता थे, जिन्होंने कभी भी तुष्टिकरण की राजनीति नहीं की। कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा कि सोमनाथ मंदिर को पुनर्निर्माण के लिए सरकार से एक भी पैसा नहीं लिया गया था, क्योंकि पूरा धन जनता से आया था। उन्होंने कहा कि इसी तरह अयोध्या में राम मंदिर भी पूरी तरह जनता के सहयोग से बना है और यह वास्तविक धर्मनिरपेक्षता का उदाहरण है। सिंह ने दावा किया कि कांग्रेस के 1946 के अध्यक्ष चुनाव में अधिकतर प्रस्ताव पटेल के पक्ष में थे, लेकिन महात्मा गांधी के अनुरोध पर पटेल ने अपना नाम वापस ले लिया और नेहरू अध्यक्ष बने, जिसके बाद वह प्रधानमंत्री बने। रक्षा मंत्री ने कहा कि कुछ राजनीतिक ताकतों ने वर्षों तक पटेल की विरासत को दबाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनवाकर पटेल को वह सम्मान दिलाया जो उन्हें पहले मिलना चाहिए था। सिंह ने आरोप लगाया कि नेहरू ने खुद को भारत रत्न दिया, लेकिन पटेल को उस समय यह सम्मान नहीं मिला। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट दिखाता है कि उस समय उनकी विरासत को नजरअंदाज किया गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि कश्मीर के विलय पर पटेल की सलाह मान ली जाती तो कश्मीर समस्या लंबे समय तक देश के लिए बोझ नहीं बनती। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर पटेल ने कड़े कदम उठाए, जैसे हैदराबाद के विलय में किया गया सख्त निर्णय। सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने भी ऑपरेशन सिंदूर में इसी मजबूत रुख का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि भारत किसी को उकसाता नहीं, लेकिन उकसाए जाने पर जवाब देना अच्छी तरह जानता है। रक्षा मंत्री ने कहा कि अनुच्छेद 370 हटाना आसान नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने यह कदम उठाकर कश्मीर को सही मायनों में भारत से जोड़ा।

श्रीलंका राहत मिशन पर पाकिस्तान का झूठ बेनकाब, भारत बोला- चार घंटे में दी मंजूरी, फर्जी दावे बंद करो

नई दिल्ली

(एंजेसी)चक्रवात से बुरी तरह तबाह श्रीलंका के लिए पाकिस्तान की राहत उड़ान को लेकर दोनों देशों में नया विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान ने दावा किया कि भारत उसकी मानवीय सहायता वाली उड़ानों को जानबूझकर रोक रहा है, जिससे श्रीलंका तक राहत पहुंचाने में देरी हो रही है। हालांकि भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को तुरंत खारिज करते हुए कहा कि उसने मानवीय दृष्टि से पाकिस्तान के अनुरोध को उसी दिन, सिर्फ चार घंटे के भीतर मंजूरी दे दी थी। भारत ने इस मुद्दे पर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे भ्रामक दावों को भी सिरे से नकार दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय का बयान 'हास्यास्पद' है और यह भारत के खिलाफ गलत जानकारी फैलाने का एक और प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत श्रीलंका की कठिन परिस्थिति में पूरी मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। जयसवाल ने बताया कि पाकिस्तान का औपचारिक अनुरोध 1 दिसंबर 2025 को दोपहर करीब 1300 बजे भारतीय उच्चायोग, इस्लामाबाद, को मिला था। सरकार ने इसे मानवीय आपात स्थिति मानते हुए उसी दिन शाम 1730 बजे मंजूरी जारी कर दी थी। भारत ने साफ कहा कि पाकिस्तानी मीडिया में चल रही यह खबर कि भारत ने एयरस्पेस की अनुमति नहीं दी, पूरी तरह झूठी है। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि पाकिस्तान मीडिया 'फेक न्यूज' फैला रहा है और यह सिर्फ भारत की छवि खराब करने की कोशिश है। अधिकारियों ने कहा कि भारत की नीति मानवीय सहायता को प्राथमिकता देने की है और ऐसे मामलों में राजनीतिक इरादे नहीं रखे जाते। भारत ने यह भी दोहराया कि सभी अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रक्रिया पूरी कर सिर्फ चार घंटे में मंजूरी दी गई, जो सबसे कम समय में किया गया निर्णय था। दूसरी ओर पाकिस्तान ने मंगलवार को दावा किया कि उसका राहत मिशन भारत की 'असहयोगी नीति' के कारण बाधित हो रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने उसकी उड़ान को 60 घंटे से अधिक समय तक अनुमति नहीं दी और बाद में जो 'आंशिक अनुमति' दी गई, वह 'संचालन के लिहाज से बेकार' थी। पाकिस्तान ने आरोप लगाया कि भारत द्वारा दी गई मंजूरी में समय बेहद सीमित था और वापसी उड़ान को मंजूरी नहीं दी गई

मोदी सरकार की बड़ी पहल

काशी तमिल संगमम 4.0 के लिए सात विशेष ट्रेनें

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एंजेसी) भारतीय रेलवे कन्याकुमारी चेन्नई कोयंबटूर और बनारस के बीच सात विशेष ट्रेनों की श्रृंखला चला रहा है ताकि काशी तमिल संगमम 4.0 में बड़े पैमाने पर भागीदारी सुनिश्चित की जा सके और तमिल भाषी क्षेत्र और काशी के प्राचीन आध्यात्मिक केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मज़बूत किया जा सके। इन विशेष ट्रेनों को इस बहु-दिवसीय सांस्कृतिक विसर्जन कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के लिए निर्बाध यात्रा आरामदायक लंबी दूरी की कनेक्टिविटी और समय पर आगमन सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित किया गया है। इन सेवाओं की शुरुआत विगत 29 नवंबर को कन्याकुमारी से पहली ट्रेन के प्रस्थान के साथ हुई। इसके बाद मंगलवार सेचेन्नई से एक अतिरिक्त विशेष ट्रेन रवाना हुई। इसके बाद आज बुधवार से कोयंबटूर से 6 दिसंबर को चेन्नई से 7 दिसंबर को कन्याकुमारी से 9 दिसंबर को कोयंबटूर से और 12 दिसंबर 2025 को चेन्नई से एक और सेवा निर्धारित है। इन नियोजित प्रस्थानों के साथ तमिलनाडु के प्रमुख शहरों से बनारस के लिए कुल सात विशेष ट्रेनें एक सुव्यवस्थित और चरणबद्ध तरीके से चलेंगी। समय पर वापसी यात्रा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे ने बनारस से कई विशेष वापसी सेवाओं की व्यवस्था की है। इनमें 5 दिसंबर को कन्याकुमारी, 7 दिसंबर को चेन्नई और 9 दिसंबर को कोयंबटूर के लिए प्रस्थान शामिल हैं इसके बाद 11 दिसंबर को चेन्नई ,13 दिसंबर को कन्याकुमारी, 15 दिसंबर को कोयंबटूर और 17 दिसंबर 2025 को फिर से चेन्नई के लिए अतिरिक्त वापसी सेवाएं निर्धारित हैं। मंगलवार से शुरू हो रहा काशी तमिल संगमम 4.0 तमिलनाडु और काशी के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक संबंध को जारी रखता है। यह संस्करण आइए तमिल सीखें - तमिल करकलम विषय पर केंद्रित है जो वाराणसी के स्कूलों में तमिल सीखने की पहल काशी क्षेत्र के छात्रों के लिए तमिलनाडु के अध्ययन दौरों और तेनकाशी से काशी तक प्रतीकात्मक ऋषि अगस्त्य वाहन अभियान के माध्यम से दोनों क्षेत्रों के बीच भाषाई और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है काशी तमिल संगमम 4.0 एक भारत श्रेष्ठ भारत के सार को मूर्त रूप देता है जो लोगों को अपनी संस्कृति से परे संस्कृतियों की समृद्धि को समझने और उसकी सराहना करने के लिए प्रोत्साहित करता है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा संचालित आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू विश्वविद्यालय प्रमुख ज्ञान साझेदार के रूप में कार्य कर रहे हैं और रेलवे सहित दस मंत्रालयों की भागीदारी दोनों क्षेत्रों के छात्रों कारीगरों विद्वानों आध्यात्मिक नेताओं शिक्षकों और सांस्कृतिक व्यवसायियों को एक साथ लाती है जिससे उनके बीच विचारों सांस्कृतिक प्रथाओं और पारंपरिक ज्ञान का आदान-प्रदान होता है।

पिंक पखवाड़ा मनाया जा रहा है, एनीमिक महिलाओं को लगाए जाएंगे FCM इंजेक्शन

जयपुर टाइम्स

खैरथल- तिजारा(निसं.)। जिले में 1 से 15 दिसंबर तक पिंक पखवाड़ा मनाया जाएगा। अभियान के दौरान 10 Hb से कम हीमोग्लोबिन वाली 14,442 महिलाओं को FCM इंजेक्शन लगाए जाएंगे। सीएमएचओ डॉ. अरविंद गेट ने सभी ब्लॉक अधिकारियों को आवश्यक दवाएं, NS-100, रिपोर्टिंग रजिस्टर और लाइन लिस्ट की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। आरसीएचओ डॉ. सुआ लाल ने बताया कि पखवाड़े की रिपोर्टिंग प्रतिदिन ह्रष्ठच्य ऐप पर की जाएगी तथा सभी रिकॉर्ड PTS में भी दर्ज होंगे। जिन संस्थाओं में FCM इंजेक्शन उपलब्ध नहीं है, उन्हें DDW पर इंटेंट भेजकर तुरंत उपलब्ध कराने को कहा गया है। प्रत्येक ब्लॉक पर एक सुपरवाइजर नियुक्त कर निगरानी की जाएगी एनीमिया से पीड़ित महिलाओं में थकान, कमजोरी और चिड़चिड़ापन जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। विभाग ने महिलाओं को हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन बढ़ाने की सलाह दी है।

'मनटेका 'कविता संग्रह का हुआ विमोचन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। Art mela for World peace -2025 में युवा कवियित्री श्रद्धा श्री द्वारा रचित हिंदी कविता संग्रह 'मनटेका' का निर्वाणवन फाउंडेशन के संस्थापक निर्वाण बोधिसत्व एवं विभिन्न आदिवासी समाज के बच्चों के द्वारा विमोचन किया गया। यह कविता संग्रह समाज, मानवीय संवेदना, स्त्री शक्ति, प्रेम और वियोग जैसी विविध विषयों को गहराई से छूता है 'मनटेका 'सिर्फ कविताएं ही नहीं एक अनुभव है जो पाठकों के दिल में उतरता है और उनके मन को टिकने के लिए प्रेरित करता है , 'श्रद्धा श्री 'अपने काव्य सृजन के माध्यम से समाज में चेतना करुणा और आत्मबोध जगाने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। निर्माणवन फाउंडेशन के द्वारा आयोजित आर्ट मेला फॉर वर्ल्ड पीस 2025 में देश-विदेश से आए नामचीन कलाकारों द्वारा विभिन्न आदिवासी समाज के उपेक्षित बच्चों को कला, मांडना, क्ले वर्क, स्टोरी टेलिंग आदि हुनर सिखलाये जा रहे हैं। उक्त मेले में ऑर्गेनिक खाद्य पदार्थ, हैंडीक्राफ्ट वस्तुएं एवं नेशनल बुक स्टोर आदि लगाए गए हैं।

डॉ अरविंद जायसवाल प्रदेश महासचिव हुए नियुक्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, ओबीसी विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनिल जयहिंद यादव के द्वारा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी, ओबीसी विभाग के अध्यक्ष हरसहाय यादव की अनुशंसा पर कांग्रेस ओबीसी विभाग राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव पद पर डॉ अरविंद जायसवाल को प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त किया है। इस अवसर पर डॉ जायसवाल को पार्टी के कार्यकर्ताओं एवं समाज एवं मित्रों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है ! डॉ जायसवाल ने इस जिम्मेदारी के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रदेश अध्यक्ष ओबीसी विभाग के हरसहाय यादव एवं पार्टी के सभी पदाधिकारीयों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

ग्राम पंचायत लांखना में ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन

अध्यक्ष पद के महेन्द्र सिंह सीतारामपुरा , उपाध्यक्ष पद बाबूलाल शर्मा श्रीरामपुरा को निर्विरोध चुने गए।

जयपुर टाईम्स

सांगानेर कस्बे के सांगानेर पंचायत समिति के अंतर्गत ग्राम पंचायत लांखना में ग्राम सेवा सहकारी समिति का गठन किया गया है। इस समिति के अध्यक्ष पद के लिए महेंद्र सिंह को चुना गया। ओर उपाध्यक्ष पद के लिए बाबूलाल शर्मा श्रीरामपुरा को माला पहनाकर स्वागत किया गया। ग्राम पंचायत लांखना गांव में सहकारी समिति के गठन से ग्रामीणों को कई सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। इसके माध्यम से ग्रामीण सरकारी ऋण सहित अन्य वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकेंगे, जिससे स्थानीय विकास को गति मिलेगी।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई:

मिलावटी मिठाई बनाने के दो गोदाम सील, खाद्य सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान शुरू

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। निरामय राजस्थान के तहत बच्चों के लिए Healthy and Safe Eating for Childhood Month अभियान की शुरुआत के साथ ही जिले में मिलावटखोरी के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। मंगलवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने ग्राम डोटाना, तिजारा में कलाकंद के नाम पर मिलावटी मिठाई बनाने वाले दो बड़े गोदामों को सील कर दिया। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त, राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार यह अभियान पूरे जिले में शुरू किया गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों में स्वस्थ आहार की आदतों को बढ़ावा देना और उनके स्वास्थ्य की सुरक्षा हेतु सामूहिक प्रयासों को मजबूत करना है। उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को निर्देशित किया कि बच्चों द्वारा सामान्य रूप से खाए जाने वाले खाद्य पदार्थों जैसे शिशु आहार, चॉकलेट, रंगीन खाद्य पदार्थ, सॉफ्ट ड्रिंक, बेबी फूड, चाइनीज फूड, पानी पुरी, पाव भाजी आदि का सघन निरीक्षण और नमूनीकरण किया जाए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि विभाग की टीम ने ग्राम डोटाना में मैसर्स बरकत पुत्र अलादीन (ग्राम फुलावास) और मैसर्स शाकीर पुत्र अलादीन (ग्राम डोटाना) के दो गोदामों पर छापामार कार्रवाई की। गोदामों में भारी मात्रा में मिल्क पाउडर, रिफाइंड ऑयल के पीपे, पाम ऑयल, एसएनएफ पाउडर आदि मिला, जिनसे बड़ी मिक्सिंग मशीनों में मिलावटी मिठाई तैयार की जाती थी। यह मिठाई कलाकंद और मिल्क केक के नाम पर ?450-?500 प्रति किलो के भाव से बाजार में बेची जा रही थी। टीम ने मौके से मिल्क पाउडर, मिलावटी मिठाई और तेल के नमूने लिए तथा शेष पूरा सामान जब्त किया। दोनों निर्माताओं के पास खाद्य लाइसेंस नहीं होने पर खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 के तहत गोदामों को सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान कस्बा खैरथल स्थित मैसर्स बल्लभगढ़ कोऑपरेटिव मिल्क प्रोड्यूसर यूनियन लिमिटेड पर भी निरीक्षण किया गया। यहां मैसर्स देवेंद्र कुमार (मैनेजर) और भूप सिंह (ड्राइवर) से मिश्रित दूध का सैंपल लिया गया एवं डेयरी में साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई में महिपाल सिंह और सुभाष यादव भी उपस्थित रहे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने किया एसआईआर कार्यों में जिले के तीन बीएलओ सुपरवाइजर को सम्मानित

जिला निर्वाचन अधिकारी ने भेंट किए प्रशस्ति पत्र

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, राजस्थान नवीन महाजन ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशन पर प्रदेश में संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के अंतर्गत 26 नवम्बर तक अपने क्षेत्र में शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य करने वाले सर्वश्रेष्ठ चयनित बीएलओ सुपरवाइजर्स को सम्मानित किया, जिसमें अलवर जिले के विधानसभा क्षेत्र राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ के बीएलओ सुपरवाइजर रूपसिंह यादव भाग संख्या 230 से 239 को व यहीं के बीएलओ सुपरवाइजर चन्द्रशेखर शर्मा भाग संख्या 101 से 110 तथा विधानसभा क्षेत्र रामगढ के बीएलओ सुपरवाइजर राजू सिंह भाग संख्या 101 से 109 को वीसी के माध्यम से वर्चुअल सम्मानित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी की और से तीनों बीएलओ सुपरवाइजर को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया तथा उल्लेखनीय कार्य की सराहना करते हुए उन्हे बधाई दी। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. आर्तिका शुक्ला ने बताया कि राज्य निर्वाचन विभाग द्वारा 26 नवम्बर की कटऑफ डेट के आधार पर शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कार्य करने वाले बीएलओ सुपरवाइजर को सम्मानित किया गया है, जिसमें अलवर जिले के उक्त तीन बीएलओ सुपरवाइजर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि इन तीनों में राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ के बीएलओ सुपरवाइजर रूपसिंह यादव भाग संख्या 230 से 239 ने जिले में सबसे पहले अपने क्षेत्र का शत-प्रतिशत डिजिटाइजेशन कराया। उल्लेखनीय है कि एसआईआर कार्य में जिला स्तर पर की जा रही प्रभावी मॉनिटरिंग के फलस्वरुप अलवर जिला एसआईआर में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के अंतर्गत मैपिंग, ईएफ डिजिटाइजेशन एवं एएसडी कार्यों में विधानसभा क्षेत्र राजगढ़-लक्ष्मणगढ़ राज्यभर में पहले स्थान पर रहा तथा इसी प्रकार कठूमर विधानसभा सातवें स्थान पर रहा। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, एडीएम शहर बीना महावर, उपखण्ड अधिकारी अलवर माधव भारद्वाज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विमंदित बालकों ने किया नृत्य

निशक्तजन बच्चों की देखभाल के लिए सामने आई कई भामाशाह

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। आदर्श मानसिक विमंदित और मूक बधिर विद्यालय दयानंद नगर में निशक्तजन दिवस के उपलक्ष्य में विमंदित बालकों को शिक्षण सामग्री सहित उपहार प्रदान किए गए। कार्यक्रम में नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती, प्रयास महावीर इंटरनेशनल की अध्यक्ष लता शर्मा, एंटी करप्शन बोर्ड के प्रदेशाध्यक्ष गोपाल जायसवाल, समाजसेवी सुशील बंसल सीए, अर्चना फाउंडेशन के संस्थापक तारेश जोरवाल, रोटी बैंक और नारी सृजन से जुड़ी सोनिया अरोड़ा, इलेक्ट्रिक एसोसिएशन के महेश खंडेलवाल तथा समाजसेवी राजेश जोशी आदि थे। कार्यक्रम में संस्था प्रधान व फाउंडर पायल प्रधान ने संस्था के बारे में जानकारी दी कि यहां निर्धन परिवार से जुड़े निशक्तजनों को शिक्षा के साथ स्वरोजगार का प्रशिक्षण दिया जाता है। इन बच्चों की सेवा करने में हमें गर्व महसूस होता है। अतिथियों का स्वागत सुनील कौशिक, सिवत, सुमन, सतीश व मनमोहन ने किया। इस अवसर पर विमंदित बच्चों ने नृत्य भी किया। कार्यक्रम में समाजसेवी गोपाल जायसवाल ने अपनी तरफ से दो बच्चों की पढ़ाई का जिम्मा उठाने की घोषणा की। नेक कमाई फाउंडेशन के संरक्षक दौलत राम हजरती ने कहा कि ऐसे बच्चों को शिक्षण सामग्री समय- समय दी जाएगी। समाजसेवी सुशील बंसल ने इन बच्चों को प्रकृति का उपहार बताया और इनके लिए हर संभव सहायता की बात कही। संचालन समाजसेवी रेखा महलावत ने किया। अंत में पायल प्रधान ने आभार जताया। कार्यक्रम में सेवा कार्यों के लिए युवा विपिन सेतिया को सम्मानित किया गया।

अपनाघर शालीमार में 6 दिसम्बर को तोरण द्वार नीव मुहूर्त 19 को निशान यात्रा व रथयात्रा एवं 20 को श्री श्याम संकीर्तन का होगा आयोजन

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। अलवर की पावन धरा पर श्री श्याम मोरछड़ी मित्र मंडल अपनाघर शालीमार के तत्वाधान में एवं सभी श्याम प्रेमियो के सहयोग से अलवर की सबसे बड़ी सोसायटी अपनाघर शालीमार स्थित श्री राम मंदिर के पास खाटू की तर्ज पर भव्य श्री श्याम तोरण द्वार का निर्माण होने जा रहा है। वही मंडल के अध्यक्ष भानु प्रकाश सेन, अपनाघर शालीमार के डायरेक्टर अशोक सैनी ने बताया कि भव्य तोरण द्वार का नीवं मुहूर्त दिनांक 06 दिसम्बर 2025 वार शनिवार को श्री राम स्वरूप जी महाराज निज पुजारी मुंडरू धाम के पावन सान्निध्य में प्रात काल 9:30 बजे से होने जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाटू नरेश बाबा श्याम होगे, वही विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव एवं राज्यमंत्री संजय शर्मा, पूर्व विधायक अलवर शहर बनवारी लाल सिंघल, अपनाघर शालीमार के डायेरक्टर अशोक सैनी, जीतू माली (अध्यक्ष एवं संस्थापक अखिल भारतीय स्वास्थ्य सेवा दल) के कर कमलो द्वारा किया जाएगा। इसके उपरांत विशाल अन्नकूट भंडारा आयोजित किया जायेगा वही दिनांक 19 दिसम्बर 2025 को 551 निशान के साथ भव्य निशान यात्रा एवं चांदी के रथ पर विराजमान बाबा श्याम की रथ यात्रा दोपहर 2 बजे प्राचीन श्याम मंदिर महल चौक से रवाना होकर विभिन्न मार्गो से होती हुई 30 बीघा श्री राम श्याम मंदिर अपनाघर शालीमार पहुचेगी। एवं दिनांक 20 दिसम्बर 2025 वार शनिवार को शाम 6:15 बजे से भव्य श्री श्याम संकीर्तन 30 बीघा श्री राम मंदिर गेट न.12 अपनाघर शालीमार में आयोजित होने जा रहा है। श्री श्याम संकीर्तन में कोलकाता से भजन सम्राट जय शंकर चौधरी, दिल्ली से सोनी सिस्टर्स, राधिका ठाकुर, अलवर से महेंद्र अमन, कमल कान्हा सुखवानी, दिल्ली की धवनी म्यूजिकल ग्रुप बाबा को मीठे मीठे भजनों से रिझायेगे, वही कार्यक्रम का मंच संचालक राजकुमार दादवानी द्वारा किया जायेगा, श्री श्याम संकीर्तन में 56 भोग की झाकी सजाई जाएगी, दरबार सेवा श्री श्याम सांवरा मित्र मंडल रजि. अलवर द्वारा की जाएगी।

सफलता की कहानी

आरबीएसके कार्यक्रम लाया तनवी व फरजान के चेहरे पर मुस्कान

बच्चों के हृदय का निःशुल्क ऑपरेशन होने पर माता-पिता को मिला राहत का सुकून

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राज्य सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम आर्थिक रूप से कमजोर माता-पिता के गंभीर बीमारियों से पीड़ित बच्चों का निःशुल्क उपचार कराकर उनके जीवन में खुशियों की सौगात लाने का काम कर रहा है। मालाखेडा ब्लॉक के गांव खेडली पिचनोत निवासी तनवी एवं रामगढ ब्लॉक के गांव बगड राजपूत निवासी फरजान खान जन्मजात हृदय रोग से ग्रसित थे। जिसके कारण दोनों बच्चे अन्य सामान्य बच्चों की तरफ खेलने-कूदने में असमर्थ थे एवं कोई भी काम करने पर सांस फूल जाती थी। इनके माता-पिता ने बच्चों को चिकित्सक को दिखाया, जिस पर चिकित्सकों ने इन्हें ऑपरेशन करने की सलाह दी। माता-पिता की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे अपने बच्चों का इलाज नहीं करा पा रहे थे। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम ने तनवी व फरजान के विद्यालय में जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसके बाद बच्चों का रैफर कार्ड बनाकर जिला अस्पताल में रैफर किया। जहां से तनवी को इन्डस हॉस्टिपल जयपुर एवं फरजान को सत्य साई चिकित्सालय अहमदाबाद, गुजरात रैफल किया गया। इसके उपरान्त सभी आवश्यक जांच करने के बाद बच्चों के हृदय का निःशुल्क सफल ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन उपरान्त अब बच्चे सामान्य बच्चों की तरह खेलने में सक्षम है। बच्चों के हृदय का निःशुल्क सफल ऑपरेशन होने पर बच्चों के माता-पिता ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया है।

विद्युत सबस्टेशन की स्थापना व क्षमता वृद्धि होने से जिले के विद्युत तंत्र को मिली मजबूती

कृषि व अन्य उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति में हुआ सुधार

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। विद्युत विभाग द्वारा जिले में उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही किसानों को दिन में विद्युत सप्लाई के लिए विद्युत सबस्टेशन बनाने के साथ अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर तथा क्षमता में विस्तार किया गया है। जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियन्ता आर.एस बंसल ने बताया कि विगत दो वर्षों में किसानों को दिन में दो ब्लॉक में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति हेतु 20 नए 33/11 केवी सब स्टेशन बनाए गए जिनकी कुल क्षमता 99.30 एमवीए है। इस पर करीब 80 करोड रूपये की लागत व्यय की गई। साथ ही 8 सब स्टेशन की क्षमता में वृद्धि करते हुए 19.40 एमवीए की गई। इस पर करीब 7.25 करोड राशि व्यय की गई। इसी प्रकार 33/11 केवी के 17 सब स्टेशनों पर अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए जिनकी कुल क्षमता 75.75 एमवीए है। इन सभी पर 15.77 करोड रूपये व्यय किए गए। इन कार्यों से उपभोक्ताओं की सुविधाओं में विस्तार होने के साथ-साथ किसानों को दिन में भी निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के अधीक्षण अभियन्ता महिपाल सिंह यादव ने बताया कि विगत 9 माह में जिले में निर्बाध एवं अच्छी गुणवत्ता की विद्युत आपूर्ति हेतु विभिन्न ग्रिड सब स्टेशन की विद्युत आपूर्ति क्षमता 125 एमवीए बढाई गई है, जिनमें बहादुरपुर में 50 एमवीए, पिनान में 25 एमवीए, खेडली में 25 एमवीए तथा राजगढ में 25 एमवीए है। इसी प्रकार 3 करोड 24 लाख रूपये की लागत से एमआईए में 132 केवी जीएसएस तथा मालाखेडा व गोविन्दगढ में 132 केवी जीएसएस की स्थापना की गई है।

आमजन की विद्युत संबंधी शिकायतों के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम स्थापित

विद्युत शिकायतों को दर्ज कराने एवं उनके त्वरित निराकरण हेतु आमजन कर सकते हैं कंट्रोल रूम व अधिकारियों से सम्पर्क

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिले में आमजन की विद्युत संबंधी समस्याओं को सुनकर उनके मौके पर ही त्वरित निस्तारण हेतु जिले में 20 एफआरटी टीम कार्यरत करते हुए कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता आर.एस बंसल ने बताया कि आमजन अपनी विद्युत संबंधी समस्याओं को दर्ज कराने के साथ उनके त्वरित निराकरण हेतु वृत कार्यालय स्थित कंट्रोल रूम नं. 0144-2701960, मो.नं. 9413391171 पर सूचित कर सकते हैं तथा 18001806507, 1912 एवं 9414037085 व 1014-2203000 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं। साथ ही एफ.आर.टी कंट्रोल नं. 7073035096 सहायक अभियन्ता कार्यालय ए-प्रथम एवं ए-तृतीय, 8852991292 सहायक अभियन्ता कार्यालय ए-द्वितीय एवं ए-पंचम तथा 8502982850 सहायक अभियन्ता कार्यालय ए-चतुर्थ एवं एमआईए से सम्पर्क कर अपनी विद्युत संबंधी शिकायतों का समाधान करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त आमजन जिले में विद्युत विभाग के अधिकारियों को विद्युत संबंधी समस्याओं से अवगत कराकर समस्याओं का निराकरण करा सकते हैं, जिनमें सम्पूर्ण जिले के लिए अधीक्षण अभियन्ता आर.एस बंसल मो.नं. 9413390509, अलवर शहर एवं चिकानी के लिए अधिशाषी अभियन्ता (शहर खण्ड) महेश देशवाल मो.नं. 9413390512, उमैरण, मालाखेडा, थानागाजी व प्रतापगढ के लिए अधिशाषी अभियन्ता (जिला खण्ड) सतीश शर्मा मो.नं. 9413391155, रामगढ, बगडमेव व गोविन्दगढ के लिए अधिशाषी अभियन्ता रामगढ अनिल कुमार गढवाल मो.नं. 9413371379, राजगढ, रैणी व टहला के लिए अधिशाषी अभियन्ता राजगढ के.सी वर्मा मो.नं. 9413390515, लक्ष्मणगढ के लिए अधिशाषी अभियन्ता लक्ष्मणगढ सीताराम जांगिड मो.नं. 9414029428 एवं खेडली व कठूमर क्षेत्र के लिए अधिशाषी अभियन्ता कठूमर ज्ञानसिंह मीणा मो.नं. 9413378015 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

भजनलाल शर्मा की लाजवाब वर्किंग स्टाइल

प्रदेश में पहली बार मेट्रो की रफ्तार से धरातल पर आ रहे समझौते

राइजिंग राजस्थान को साल भर हुआ नहीं फिर भी करीब 750000 लाख करोड़ के समझौते आए धरातल पर, राजस्थान के रेगिस्तान में भी बन रहा उद्योगों का नया माहौल, प्रदेश के आर्थिक विकास को मिली नई ताकत, बेरोजगारी की समस्या भी हो रही है तेजी से हल

जयपुर टाइम्स/जयपुर(रामेश्वर लाल जाट) *प्रदेश में भजनलाल सरकार के दौरान राइजिंग राजस्थान के आयोजन हुए अभी 1 साल भी नहीं हुआ है लेकिन इस आयोजन में हुए 35 लाख करोड़ के समझौते में करीब 750000 लाख करोड़ के समझौते धरातल पर आ गए हैं इसे साधारण उपलब्धि नहीं मान सकते क्योंकि अब से पहले भी राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी की सरकारों ने इस तरह के कई बड़े-बड़े आयोजन किया जिसमें दुनिया भर के प्रमुख उद्योगपति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक संस्थानों से जुड़े बड़े-बड़े लोग आए और निवेश के समझौते भी खूब हुए लेकिन अधिकांश समझौते सिर्फ कागजी कार्रवाई बनकर ही रह गए धरातल पर नजर नहीं आए गिने-चुने समझौते ही धरातल पर आए । जिसकी वजह से प्रदेश में उद्योगों का अच्छा माहौल कायम नहीं हो सका लेकिन इस बार राइजिंग राजस्थान आयोजन के कुछ ही महीना में जिस तरह से बड़े पैमाने पर समझौते फाइलों से निकलकर धरातल पर आए हैं और सरकार ने निवेशकों को उनकी इच्छा के मुताबिक उन्हें निवेश का अच्छा प्लेटफार्म और जमीन उपलब्ध करवा रही है उसे देखते हुए ऐसा दिख रहा है कि भजनलाल सरकार अपने बाकी के कार्यकाल में जो समझौते पूरे होने को बचे हैं । उनमें अधिकांश समझौते धरातल पर उतारने में कामयाब हो सकती है क्योंकि इस बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान में हुए समझौते के क्रियान्वयन के लिए जो कार्य योजना और रणनीति तैयार की उससे प्रभावित होकर राइजिंग राजस्थान में समझौते करने वाले उद्योगपति हकीकत में अपनी नई औद्योगिक इकाइयों और संस्थाओं को जमीन पर लाने की दिशा में तेजी से कार्य करते हुए दिख रहे हैं । इसी का नतीजा है कि अब तक 750000 लाख करोड़ के समझौते धरातल पर आ गए । जानकारों का कहना है कि राजस्थान में सबसे पहले जितनी बार भी आयोजन हुए उनमें किए गए समझौते में मुश्किल से 10 से 15 प्रतिशत समझौते ही धरातल पर आए लेकिन इस बार यह 10 प्रतिशत की उपलब्धि तो प्रदेश की भजनलाल सरकार ने 1 साल पूरा होने से पहले ही हासिल कर ली है इसलिए उम्मीद की जा रही है कि बाकी के भजनलाल सरकार के कार्यकाल में 70 प्रतिशत समझौते धरातल पर आ सकते हैं अगर इतने समझौते राजस्थान की जमीन पर उतर गए तो फिर समझो राजस्थान की बल्ले बल्ले ।*

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की चतुर और कुशल नीति से आ रहे अच्छे परिणाम

अब से पहले चाहे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार रही हो या फिर कांग्रेस पार्टी की हर पार्टी की सरकार ने देश और विदेश के निवेशकों को निवेश के लिए आकर्षित करने के क्रम में कभी भी अपने शासनकाल के पहले साल में इस तरह का आयोजन नहीं करवाया। सरकारों ने इस तरह के आयोजन अपने शासनकाल के तीसरे या चौथे या आखिरी साल में करवाया जिसकी वजह से इस तरह के सम्मेलन में आयोजित किए गए अधिकांश समझौते धरातल पर उतर ही नहीं पाए। इसके कई बड़े कारण रहे जिसमें एक बड़ा कारण यह भी रहा की सरकारों को इतने व्यापक स्तर पर हुए समझौते के धरातल पर लाने के लिए पूरा समय ही नहीं मिल पाया क्योंकि सरकारों ने अपने कार्यकाल के अंतिम सालों में इस तरह का आयोजन करवाया। लेकिन इस बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने शासनकाल के पहले ही कार्यकाल में राइजिंग राजस्थान जैसा बड़ा कार्यक्रम सफलतापूर्वक तो आयोजित करवाया ही इसके अलावा इस सम्मेलन में व्यापक स्तर पर किए गए। सभी समझौते को धरातल पर लाने के लिए एक ठोस मजबूत कार्य योजना तैयार की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भले ही पहली बार के विधायक हो और पहली बार ही मुख्यमंत्री बने हो लेकिन अनुभव और कुशल कार्य योजना तैयार करने में उनका कोई सानी नहीं है। उन्होंने अपने कार्यकाल के पहले ही साल में राइजिंग राजस्थान का आयोजन यही सोचकर करवाया कि इस सम्मेलन में होने वाले समझौते के क्रियान्वन के लिए उनके पास पूरा समय होगा जिसकी वजह से अन्य सरकारों की तरह यह आयोजन सिर्फ कागजी कार्रवाई बनकर नहीं रह जाएगा इसलिए उन्होंने अपने शासनकाल के पहले ही कार्यकाल में राइजिंग राजस्थान का आयोजन करवाया जिसमें 35 लाख करोड़ के समझौते विभिन्न क्षेत्रों में हुए भजनलाल शर्मा यह भी जानते थे कि भले ही 35 लाख करोड़ के समझौते हो गए हो लेकिन जब तक यह समझौते धरातल पर नहीं आएंगे तब तक इनका कोई औचित्य और फायदा भी नहीं होगा इसलिए उन्होंने राइजिंग राजस्थान में हुए समझौता के क्रियान्वयन के लिए एक अलग विभाग की स्थापना ही कर दी जिसमें दो दर्जन से ज्यादा कर्मठ और अनुभवी आईएएस अधिकारियों को शामिल किया गया और उन्हें अलग-अलग डिपार्मेंटों और क्षेत्र से संबंधित समझौते के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी सुनिश्चित की और फिर इन सभी अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने निर्देशित भी किया कि हर स्तर पर चाहे कुछ भी हो जिस किसी ने भी राइजिंग राजस्थान में समझौता किया है उसे अपना समझौता पूरा करने के लिए कहा जाए उससे नियमित रूप से बातचीत की जाए और बराबर संवाद कायम किया जाए तथा उन्हें उनकी इच्छा के अनुरूप निवेश के लिए कहा जाए उनकी जो समस्याएं हो उनका समाधान किया जाए और उन्हें किसी भी तरह से किसी भी तरह की कोई दिक्कत ना हो इसके लिए अधिकारी खुद उनसे नियमित रूप से बातचीत करता रहे और सरकार की ओर से निवेशकों के लिए जो सुविधा उपलब्ध करवाई गई हैं उनके बारे में भी उन्हें बारीकी से और गंभीरता से बताया जाए जिसकी वजह से जिस जिस अधिकारी को राइजिंग राजस्थान के समझौते की जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने इस पूरे कार्य को काफी गंभीरता से लिया क्योंकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा खुद उनसे नियमित रूप से उनके कामकाज का फीडबैक ले रहे हैं यही वजह है कि अधिकारी भी राइजिंग राजस्थान के समझौता के क्रियान्वयन के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं इसी का परिणाम है कि कुछ ही महीना में बड़ी संख्या में समझौते धरातल पर आ गए।

भजनलाल शर्मा कभी मुख्य सचिव से तो कभी खुद अधिकारियों से ले रहे हैं फीडबैक

राइजिंग राजस्थान में हुए समझौता के क्रियान्वयन के बारे में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहले दिन से ही काफी गंभीर और अलर्ट बोर्ड पर नजर आए हैं मुख्यमंत्री शर्मा इन समझौते के सफल क्रियान्वयन के लिए खुद नियमित रूप से समझौते के क्रियान्वयन के बारे में फीडबैक लेते रहते हैं । मुख्यमंत्री शर्मा कभी मुख्य सचिव से इन समझौते के क्रियान्वयन के बारे में रिपोर्ट लेते रहते हैं तो कभी खुद सामूहिक रूप से अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करके उनसे फीडबैक ले रहे हैं । जैसा कि मुख्यमंत्री शर्मा ने समझौते के क्रियान्वयन के लिए अलग से विभाग की ही स्थापना की और फिर इस विभाग से दो दर्जन भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को जोड़ा और इन अधिकारियों को अलग-अलग सेक्टर और अलग-अलग विभागों से जुड़े समझौते के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी को सुनिश्चित किया। जब तक प्रदेश में मुख्य सचिव पद पर सुधांशु नियुक्त रहे तब तक मुख्यमंत्री शर्मा उनसे नियमित रूप से राइजिंग राजस्थान के समझौते के क्रियान्वयन की पूरी रिपोर्ट लेते रहे किस-किस ने किस-किस क्षेत्र में निवेश के लिए एप्लीकेशन लगाई है किस-किस की एप्लीकेशन पर सरकार की ओर से कितनी करवाई हो चुकी है किस एप्लीकेशन के क्रियान्वयन में किस बात के लिए अड़चन आ रही है निवेश करने वाले के सामने क्या तकलीफ है कितने को जमीन का आवंटन हुआ इत्यादि के बारे में मुख्यमंत्री शर्मा नियमित रूप से फीडबैक ले रहे हैं राइजिंग राजस्थान के समझौता के क्रियान्वयन के लिए तत्कालीन मुख्य सचिव सुधांशु भी काफी गंभीर और एक्टिव रहे और अब नए मुख्य सचिव श्रीनिवास भी राइजिंग राजस्थान के समझौता के क्रियान्वयन के लिए पूरे जोश उत्साह और नवाचार के साथ कार्य कर रहे हैं। जानकार लोगों का कहना है कि पिछली सरकारों में इस तरह के सम्मेलन में समझौते तो बहुत हुई लेकिन समझौते होने के बाद उनके क्रियान्वयन को लेकर पिछली सरकारों ने भी ज्यादा गंभीरता नहीं दिखाई और ना ही निवेश करने वालों के लिए कुछ विशेष सुविधाएं और कदम उठाए जिसकी वजह से देश और विदेश से आए मेहमानों ने सम्मेलन में समझौते तो सरकार को खुश करने के लिए खूब किए लेकिन उन्हें पूरा करने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखाई अगर तत्कालीन सरकारों की ओर से भजनलाल सरकार की तरह समझौता करने वाले प्रत्येक मेहमान से नियमित संवाद रखा जाता और उनसे नियमित बातचीत का सिलसिला रखा जाता और उन्हें हर तरह से भरोसे में लिए जाने का प्रयास किया जाता तो कहीं ना कहीं पिछली सरकारों को भी इस कार्य में सफलता मिलती लेकिन पिछली सरकारों ने अपने शासनकाल के अंतिम सालों में इस तरह के आयोजन किया जिसकी वजह से उन्होंने समझौता करने वाले मेहमान के भरोसे बड़ी पूरा समझौता छोड़ दिया। सरकार ने आगे बढ़कर ठोस पहल नहीं की जिसकी वजह से समझौता करने वाले मेहमान ने भी दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन भजनलाल सरकार समझौता करने वाले प्रत्येक मेहमान से न केवल निवेश के लिए बातचीत कर रही है बल्कि उन्हें निवेश करने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें भरोसा भी दिला रही है कि उन्हें राजस्थान में निवेश करने से जितना प्रॉफिट होगा उतना प्रॉफिट और कहीं नहीं होगा इसके अलावा सरकार उन्हें हर तरह की सुविधा भी उपलब्ध करवा रही है इसीलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा नियमित रूप से संबंधित अधिकारियों से बैठक करते हैं और फिर उनसे एक-एक समझौते के क्रियान्वयन के प्रक्रिया पर बात करते हैं इस दौरान निवेश करने वाली मेहमान के सामने कोई तकलीफ आती है तो उसका निदान भी करते हैं ।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की राइजिंग राजस्थान से जुड़ी विदेश यात्राएं काफी असरदार साबित हुई

जानकार लोगों का कहना है कि राइजिंग राजस्थान के आयोजन से पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दुनिया के कई देशों की यात्रा की थी इन यात्राओं के दौरान मुख्यमंत्री शर्मा ने विदेश में रहने वाले प्रमुख उद्योगपतियों और प्रमुख कारोबारी से मुलाकात करके उन्हें राजस्थान सरकार की ओर से निवेश करने वालों के लिए शुरू की गई विशेष सुविधाओं और योजनाओं के बारे में तो गंभीरता से जानकारी दी। इसके अलावा विदेश में रह रहे उद्योगपतियों को यह भी बताया कि वर्तमान में पूरे हिंदुस्तान में राजस्थान के अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और राजस्थान में उनका पैसा उनके कारोबार को बुलंदियों पर पहुंचाएगा और उन्हें अच्छा प्रॉफिट भी होगा । क्योंकि राजस्थान में पर्यटन ही नहीं बल्कि सभी क्षेत्रों में विकास की अपार संभावनाएं हैं इन सब के बारे में विदेश में रह रहे उद्योगपतियों को बहुत ही तथ्यात्मक और प्रभावशाली तरीके से मुख्यमंत्री ने बताया था मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जर्मनी, जापान, दक्षिणी कोरिया, ब्रिटेन और कई अन्य देशों की यात्राएं करके वहां के प्रमुख उद्योगपतियों को राजस्थान में निवेश के लिए राइजिंग राजस्थान के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। इन विदेश यात्राओं के दौरान ही दुनिया भर के उद्योगपतियों को यह पता चल गया था कि राजस्थान में अब पानी, बिजली, सड़क, परिवहन , चिकित्सा सुरक्षा सभी क्षेत्र में काफी अच्छा वातावरण बना हुआ है। इसलिए निवेश के लिहाज से राजस्थान अच्छा प्रदेश है बाद में राइजिंग राजस्थान के दौरान जब दुनिया भर के उद्योगपति राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के प्रतिनिधि और विभिन्न कारोबार से जुड़े लोग यहां आए तो उन्होंने राजस्थान में अपनी आंखों से हर क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव भी देखा इसलिए इस बार एतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ 35 लाख करोड़ की समझौते हुए और अब उनका क्रियान्वयन भी तेजी से हो रहा है जानकार लोगों का कहना है कि जब तक आप अपनी नई व्यवस्थाओं और नई योजनाओं के बारे में दुनिया को नहीं बताओगे तब तक दुनिया कैसे आप पर भरोसा करोगी इसीलिए मुख्यमंत्री शर्मा ने खुद कई देशों की यात्राएं करके वहां रह रहे उद्योगपतियों को राजस्थान सरकार की योजनाओं और व्यवस्थाओं के बारे में गंभीरता से जानकारी दी उद्योगपतियों को भी यह लगा कि जब एक प्रदेश का मुखिया उन्हें इतना भरोसा दिला रहा है तो हमें भी इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए इसीलिए इस बार समझौते तेजी से जमीन पर आ रहे हैं ।

सौर ऊर्जा में व्यापक तौर पर हुए समझौते, सौर ऊर्जा उत्पादन में देश में पहले नंबर पर राजस्थान

सौर ऊर्जा के उत्पादन में राजस्थान पूरे देश में नंबर वन की पोजीशन पर है राजस्थान के रेतीले जिले सौर ऊर्जा उत्पादन का बड़ा स्रोत बने हुए हैं और प्रदेश की भजनलाल सरकार ने भी सौर ऊर्जा क्षेत्र में कई बड़े कदम उठाए हैं और कई बड़ी नई व्यवस्थाएं सुनिश्चित की है जिसकी वजह से प्रदेश सौर ऊर्जा के उत्पादन में पूरे देश में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में राइजिंग राजस्थान में बड़ी संख्या में समझौते भी हुए हैं जिनका क्रियान्वयन भी तेजी से हो रहा है इसलिए आने वाले समय में बहुत जल्दी ही बिजली उत्पादन में राजस्थान आत्मनिर्भर बनने वाला है जिसके फलस्वरूप राजस्थान के बिजली के उपभोक्ताओं को समुचित बिजली तो मिलेगी ही इसके अलावा प्रदेश के सभी किसानों को दिन में बिजली भी बहुत जल्दी ही मिलने वाली है क्योंकि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में जो राइजिंग राजस्थान में समझौते हुए थे वे समझौते तेजी से जमीन पर उतर रहे हैं । इसलिए इस क्षेत्र में आने वाले कुछ ही सालों में क्रांतिकारी बदलाव हमें देखने को मिलेगा जो राजस्थान के बिजली उत्पादन के लिए एक सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जाएगी वैसे राजस्थान में पर्यटन ऑटोमोबाइल खनन शिक्षा चिकित्सा स्टोन इत्यादि क्षेत्रों में राइजिंग राजस्थान में बड़ी संख्या में समझौते हुए हैं जो तेजी से धरातल पर भी आ रहे हैं लेकिन सौर ऊर्जा के क्षेत्र में देश और विदेश के उद्योगपति निवेश के लिए ज्यादा आतुर दिख रहे हैं जानकार लोगों का कहना था कि एक समय ऐसा भी था जब राजस्थान में पानी बिजली सड़क परिवहन शिक्षा चिकित्सा जैसी आधारभूत सुविधाएं अच्छी तरह से नहीं देख कर देश और विदेश के उद्योगपति यहां अपना उपक्रम और फैक्ट्री खोलने को राजी नहीं होते थे लेकिन आज राजस्थान दुनिया भर के उद्योगपतियों के आकर्षण का केंद्र बन गया है जिसकी झलक राइजिंग राजस्थान में भी देखने को मिली जब इस कार्यक्रम में एतिहासिक रिकॉर्ड तोड़ समझौते हुए और समझौते ही नहीं हुई बल्कि यह समझौते धरातल पर निरंतर तेजी से आ रहे हैं वजह यही है कि आज राजस्थान हिंदुस्तान में नई फैक्ट्री खोलने का एक अच्छा स्थान बन गया है । यहां पानी सड़क शिक्षा चिकित्सा परिवहन वायु यातायात बिजली सुरक्षा सभी क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी बदलाव आया है उसकी वजह से दुनिया भर के उद्योगपतियों की निगाह राजस्थान पर टिक गई है इसमें सबसे बड़ी बात यह भी है कि राजस्थान में जो यह नया बदलाव आया है। इस नए बदलाव की जानकारी देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उनकी टीम ने पिछलेदो साल में जो कड़ी मेहनत की है कई विदेश यात्राएं मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने की है उसी का नतीजा है कि दुनिया के कई मुल्कों में मौजूद कई बड़े उद्योगपति अब राजस्थान में निवेश के लिए तेजी से कदम बढ़ा रहे हैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चाहे देश हो या विदेश जहां भी जाते हैं उद्योगपतियों को एक ही बात कहते हैं कि राजस्थान में सिर्फ पर्यटन ही नहीं बल्कि यहां हर क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं राजस्थान में 85 से ज्यादा अलग-अलग तरह के खनन है जिसमें निवेश करके मोटा मुनाफा कमाया जा सकता है इसलिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान उद्योगपतियों के आकर्षण का केंद्र बन गया है ।

टाटा, बिरला, अडानी, अंबानी और अनिल अग्रवाल जैसे बड़े उद्योगपतियों को दिल से भा गया राजस्थान

भजनलाल सरकार की राजस्थान में औद्योगिक माहौल स्थापित करने के लिए शुरू की गई नई व्यवस्थाएं और ठोस पहल ने देश और दुनिया के बड़े-बड़े उद्योगपतियों और औद्योगिक समूह से जुड़े लोगों का भरोसा और विश्वास हासिल कर लिया है । यही वजह है कि राइजिंग राजस्थान में गौतम अडानी, अनिल अग्रवाल, कुमार मंगलम, बिड़ला जैसे कई बड़े दिग्गज उद्योगपति नजर आए और इन्होंने यहां पर कई क्षेत्रों में समझौते भी किया और यह समझौते धरातल पर भी तेजी से उतर रहे हैं । वजह यही है कि इस बार भजनलाल सरकार विजन के तौर पर राइजिंग राजस्थान के समझौता को लिया है और दृढ़ संकल्प के साथ प्रत्येक समझौते को पूरा करने के प्रयास में युद्ध स्तर पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं आने वाले 3 साल प्रदेश में औद्योगिक माहौल के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण साबित होने वाले हैं क्योंकि जिस्फूर्ति और जिस तन्मयता के साथ राइजिंग राजस्थान के समझौता के क्रियान्वयन में यहां के ऑफिसर और सरकार दोनों जुटे हैं उससे समझौते करने वाले देश और विदेश के उद्योगपतियों को भी अब यह एहसास हो गया है कि राजस्थान सरकार इस बार उन्हें इतनी जल्दी छोड़ने वाली नहीं है सरकार उन्हें हर हाल में राजस्थान से जोड़कर ही रहेगी जानकार लोगों का कहना है कि देश और दुनिया के बड़े उद्योगपतियों के मूवमेंट से राजस्थान को काफी फायदा होगा राजस्थान की इकोनॉमी तेजी से बढ़ेगी तो राजस्थान में विकास की रफ्तार और तेज होगी एक तरफ जहां रोजगार के अवसर पैदा होंगे तो दूसरी तरफ प्रदेश में आधारभूत सुविधा का विस्तार भी तेजी से होना सुनिश्चित है क्योंकि सरकार ने प्रदेश के हर क्षेत्र में औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए हैं जहां पर देश और दुनिया के उद्योगपति अपनी फैक्ट्री और उपक्रम खोल सकेंगे । इसलिए स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर पैदा होने के साथ ही अन्य सुविधाओं का विस्तार होना भी निश्चित है इसलिए बड़े-बड़े उद्योगपतियों की राजस्थान में सक्रियता और उनकी गतिशीलता से निश्चित रूप से राजस्थान उद्योगों के मामले में अब तेजी से आगे बढ़ेगा यह कटु सत्य है कि औद्योगिक क्षेत्र में राजस्थान देश के अन्य राज्यों से अब तक पिछड़ रहा। लेकिन अब जिस तरह से भजनलाल सरकार ने विजन के तौर पर राजस्थान में औद्योगिक माहौल खड़ा करने की दिशा में कार्य कर रही है और उसके अच्छे नतीजे भी सामने आ रहे हैं उसकी वजह से आने वाले साल राजस्थान की पब्लिक और राजस्थान की सरकार दोनों के लिए काफी अच्छे साबित होते दिख रहे हैं ।

भजनलाल सरकार ने प्रदेश के सभी इलाकों में व्यापक तौर पर औद्योगिक क्षेत्र किए विकसित

प्रदेश की भजनलाल सरकार ने राइजिंग राजस्थान में हुए समझौते की क्रियान्वयन और प्रवासी राजस्थान दिवस समारोह को देखते हुए प्रदेश के सभी क्षेत्रों में बड़ी संख्या में औद्योगिक क्षेत्र भी विकसित किए हैं ताकि प्रदेश में सभी क्षेत्रों में औद्योगिक वातावरण स्थापित करने में संतुलन और समन्वय का माहौल देखने को मिले प्रदेश के पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण हर क्षेत्र में हर जिले में व्यापक स्तर पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जा रहे हैं जहां पर सड़क पानी बिजली परिवहन जैसी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है ताकि देश विदेश के उद्योगपति प्रदेश में अपनी इच्छा के अनुसार कहीं पर भी अपनी फैक्ट्री खोल सके। जानकारी के अनुसार प्रदेश के पश्चिम क्षेत्र में जहां जैसलमेर बाड़मेर जोधपुर बीकानेर जैसे रेतीले जिले हैं वहां पर सौर ऊर्जा के क्षेत्र में कई जगहों पर औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए हैं ताकि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश करने वाले उद्योगपतियों को यहां सभी तरह की सुविधा और संसाधन उपलब्ध हो सके इसी तरह से दिल्ली एनसीआर के क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के आदिवासी इलाकों डूंगरपुर बांसवाड़ा उदयपुर प्रतापगढ़ जैसे इलाकों में पर्यटन सर्किट का गठन करके वहां पर पर्यटन के क्षेत्र में इन्वेस्ट करने वाले लोगों के लिए तमाम तरह की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही हैं इस तरह से प्रदेश के हर क्षेत्र में सरकार ने पहले से ही देश और विदेश के उद्योगपतियों को आकर्षित करने के लिए तमाम तरह की सुविधा और व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर दी हैं ताकि उद्योगपति देखते ही निवेश के लिए राजी हो जाए।

मिसाल कायम करने वाला फैसला

उन्होंने यह भी तर्क किया कि उनके सैनिकों को इस पर कोई आपत्ति नहीं थी और न ही इससे उनके साथ उनके मजबूत संबंधों पर कोई असर पड़ा। हालांकि अदालत में उनकी ये दलीलें कहीं नहीं टिक पाईं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कमलेसन का दृष्टिकोण रेजीमेंट का माहौल खराब करने वाला था। इससे यूनिट की एकता और सैनिकों के मनोबल पर भी असर पड़ सकता था। इसलिए उनकी बर्खास्तगी बिल्कुल तार्किक है। उच्चतम न्यायालय ने भी कमलेसन को आड़े हाथों लिया कि, 'वह किस प्रकार का संदेश भेज रहे हैं? एक सेना अधिकारी द्वारा गंभीर अनुशासनहीनता। वह एक उत्कृष्ट अधिकारी हो सकते हैं, लेकिन भारतीय सेना के लिए अयोग्य हैं।' यह विस्मृत न किया जाए कि भारतीय सेना अपने मूल्यों, नैतिकता और परंपराओं द्वारा परिभाषित होती है। सेना भले ही विविधता से भरा एक विशाल संगठन हो, लेकिन यूनिट ही उसका वह मूलाधार है, जिसे उसका आत्मा कहा जाता है। कुछ यूनिट किसी वर्ग या समुदाय पर आधारित होती हैं। जैसे सिख, जाट, राजपूत, डोगरा और गोरखा रेजीमेंट। ये अपने सैनिकों के पूजा स्थलों के साथ ही उनकी मान्यताओं का भी ध्यान रखती हैं। आज आर्मर्ड कोर में निश्चित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट और मिश्रित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट का एक संतुलित मिश्रण भी देखने को मिलता है। इसके जरिये एक दूसरे से सीखने का जो लाभ मिलता है, वह कार्य संचालन में भी उपयोगी साबित होता है। सशस्त्र बलों में धर्म जुड़ाव की एक कड़ी के रूप में होता है। देखा जाए तो सभी सैन्य इकाइयों का मूल कार्य सामरिक तत्परता और शांति काल में उसके लिए तैयारी एवं प्रशिक्षण है। युद्ध के दौरान स्थितियां तनावपूर्ण होती हैं। ऐसे में सैनिकों की धार्मिक आस्था और विश्वास उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों में दबाव से उबरने की शक्ति प्रदान करता है। यूनिट के युद्ध-घोष (वार क्राई) में भी ये भावनाएं अभिव्यक्त होती हैं। ऐसा विश्वास बंधुत्व की भावना को भी बढ़ाता है।

उच्चतम न्यायालय ने 25 नवंबर के अपने एक निर्णय में पूर्व सैन्य अधिकारी को कोई राहत नहीं दी। शीर्ष अदालत ने अधिकारी की बर्खास्तगी पर मुहर लगाने वाले दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची ने अपीलकर्ता सैन्य अधिकारी सैमुअल कमलेसन के कृत्य को घोर अनुशासनहीनता माना और कहा कि वह सेना में रहने लायक नहीं है। अदालत ने कहा कि अधिकारी ने अपनी धार्मिक मान्यता को वरिष्ठ अधिकारी के दायित्व से भी ऊपर रखा जो 'स्पष्ट रूप से अनुशासनहीनता का कार्य' था। सैन्य अधिकारी को तैनाती स्थल पर बने मंदिर के गर्भगृह में जाकर रेजीमेंट की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से इन्कार करने पर बर्खास्त किया गया था। सैन्य अधिकारी ने अपने ईसाई पंथ का हवाला देते हुए मंदिर की धार्मिक गतिविधियों में हिस्सा लेने से मना कर दिया था, जिसे अनुशासनहीनता माना गया। कमलेसन को 2021 में बर्खास्त किया गया था। उन्होंने 2017 में कमीशन प्राप्त किया था। वह तीन कैवेलरी की एक सिख स्क्वाड्रन में तैनात थे। कमलेसन ने दावा किया कि उनका यह विरोध न केवल उनके ईसाई विश्वास के प्रति सम्मान का प्रतीक था, बल्कि अन्य सैनिकों की धार्मिक भावनाओं का भी सम्मान था, ताकि उनके अनुष्ठानों में भाग लेने से किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस न पहुंचे। उन्होंने यह भी तर्क किया कि उनके सैनिकों को इस पर कोई आपत्ति नहीं थी और न ही इससे उनके साथ उनके मजबूत संबंधों पर कोई असर पड़ा। हालांकि अदालत में उनकी ये दलीलें कहीं नहीं टिक पाईं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कमलेसन का दृष्टिकोण रेजीमेंट का माहौल खराब करने वाला था। इससे यूनिट की एकता और सैनिकों के मनोबल पर भी असर पड़ सकता था। इसलिए उनकी बर्खास्तगी बिल्कुल तार्किक है। उच्चतम न्यायालय ने भी कमलेसन को आड़े हाथों लिया कि, 'वह किस प्रकार का संदेश भेज रहे हैं? एक सेना अधिकारी द्वारा गंभीर अनुशासनहीनता। वह एक उत्कृष्ट अधिकारी हो सकते हैं, लेकिन भारतीय सेना के लिए अयोग्य हैं।' यह विस्मृत न किया जाए कि भारतीय सेना अपने मूल्यों, नैतिकता और परंपराओं द्वारा परिभाषित होती है। सेना भले ही विविधता से भरा एक विशाल संगठन हो, लेकिन यूनिट ही उसका वह मूलाधार है, जिसे उसका आत्मा कहा जाता है। कुछ यूनिट किसी वर्ग या समुदाय पर आधारित होती हैं। जैसे सिख, जाट, राजपूत, डोगरा और गोरखा रेजीमेंट। ये अपने सैनिकों के पूजा स्थलों के साथ ही उनकी मान्यताओं का भी ध्यान रखती हैं। आज आर्मर्ड कोर में निश्चित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट और मिश्रित वर्ग संरचना वाली रेजीमेंट का एक संतुलित मिश्रण भी देखने को मिलता है। इसके जरिये एक दूसरे से सीखने का जो लाभ मिलता है, वह कार्य संचालन में भी उपयोगी साबित होता है। सशस्त्र बलों में धर्म जुड़ाव की एक कड़ी के रूप में होता है। देखा जाए तो सभी सैन्य इकाइयों का मूल कार्य सामरिक तत्परता और शांति काल में उसके लिए तैयारी एवं प्रशिक्षण है। युद्ध के दौरान स्थितियां तनावपूर्ण होती हैं। ऐसे में सैनिकों की धार्मिक आस्था और विश्वास उन्हें प्रतिकूल परिस्थितियों में दबाव से उबरने की शक्ति प्रदान करता है। यूनिट के युद्ध-घोष (वार क्राई) में भी ये भावनाएं अभिव्यक्त होती हैं। ऐसा विश्वास बंधुत्व की भावना को भी बढ़ाता है। सेवा चयन बोर्ड यानी एसएसबी किसी व्यक्ति को बहुत जांच-परखने के बाद सैन्य अधिकारी के रूप में प्रशिक्षित किए जाने के योग्य पाता है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि कमलेसन के मामले में उनका धार्मिक दुराग्रह अनदेखा ही रह गया। वैसे तो सेना में सभी अधिकारियों को निजी तौर पर अपनी आस्था और धर्म के पालन की स्वतंत्रता है, लेकिन सार्वजनिक रूप से वे उनके धर्म को अपनाते हैं, जिनकी कमान उनके हाथों में होती है। यही परंपरा अधिकारियों को निजी आस्था से इतर सैनिकों के विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने और उनमें शामिल होने को उन्मुख करती है। मेरी अपनी रेजीमेंट में जाट, मुस्लिम और राजपूत की वर्गीय संरचना थी और सभी अधिकारी और जेसीओ सभी धार्मिक समारोहों में भाग लेते थे। वे मंदिर और मस्जिद दोनों से जुड़े आयोजनों में उपस्थित होते थे। धार्मिक स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार को ऐसी परिस्थितियों में लागू नहीं किया जा सकता है, क्योंकि व्यक्ति के धार्मिक अधिकार की व्याख्या का यहां उल्लंघन नहीं होता है। वास्तव में, सेना में धर्म को एकजुट करने वाले एक कारक के रूप में देखा जाता है और यह किसी भी तरह समुदायों को विभाजित नहीं कर सकता। रेजीमेंट के उपासना स्थल एक भावना का पोषण करते हैं और पहचान, परंपरा, मनोबल और साझा उद्देश्य के प्रतीक होते हैं। वे केवल पूजा के ही माध्यम नहीं, बल्कि एकता की भावना के पोषक भी होते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल अता हसनैन के शब्दों में कहें तो 'वर्दी में व्यक्तिगत विश्वास को संस्थागत कर्तव्य पर हावी नहीं होने दिया जा सकता।' भारतीय सेना की संरचना और कार्य संचालन नितांत पंथनिरपेक्ष है। किसी अधिकारी की अपनी चाहे जो आस्था हो

सम्पादकीय

गहन मतदाता पुनरीक्षण को लेकर दबाव

देश के बारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में गहन मतदाता पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर उठा विवाद लोकतांत्रिक व्यवस्था की सेहत के लिए ठीक नहीं माना जा रहा है। मतदाता सूचियों में संशोधन पहले भी होता रहा है, लेकिन एसआइआर की प्रक्रिया पर जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे अब तीन मोर्चों पर संघर्ष शुरू होता नजर आ रहा है। पहला मानवीय स्तर पर, दूसरा कानूनी और तीसरा राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू पर भी इस प्रक्रिया को तौला जा रहा है। सवाल है कि इस विवाद का हल कैसे होगा? इसको लेकर अदालत में भी मामले दायर किए गए हैं, लेकिन जाहिर है कि अदालती प्रक्रिया लंबी होती है और इसमें तत्काल फैसला आने की उम्मीद नहीं की जा सकती। बूथ स्तरीय अधिकारियों पर काम का अत्यधिक दबाव होने और कुछ के आत्महत्या कर लेने की खबरों के बीच निर्वाचन आयोग ने एसआइआर की प्रक्रिया की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाकर समस्या के निराकरण की दिशा में कदम बढ़ाया है, लेकिन क्या सात दिन का यह समय पर्याप्त है? क्या इससे जमीनी स्तर पर काम करने वाले अधिकारियों पर वास्तव में दबाव कम हो पाएगा? एसआइआर को लेकर उठे विवाद में एक अफसोसजनक पहलू यह है कि बूथ स्तरीय अधिकारी निर्धारित समय सीमा में काम के दबाव को सहन नहीं कर पा रहे हैं। गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से ऐसे अधिकारियों की मौतों और इस्तीफों की कई खबरें आ चुकी हैं। वहीं प्रशासन की सख्ती से कुछ राज्यों में इन अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी तक दर्ज की गई है और कुछ को निलंबित कर दिया गया है। दबाव की अति की इस स्थिति में कर्तव्य और सख्ती के बीच की रेखा धुंधली नजर आने लगी है। निर्वाचन आयोग ने पिछले दिनों प्रशासनिक अधिकारियों से वस्तुस्थिति पर रपट मांगी थी, जिसके बाद रविवार को आयोग ने एसआइआर की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ाने का फैसला किया। आयोग की ओर से कहा गया कि एक सप्ताह का अतिरिक्त समय इसलिए दिया गया, ताकि बूथ स्तरीय अधिकारी पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मृत या दूसरी जगह चले गए मतदाताओं का ब्योरा राजनीतिक दलों के साथ साझा कर सकें। इससे यही लगता है कि आयोग ने यह निर्णय प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों पर काम के दबाव की वजह से नहीं लिया है। एसआइआर को लेकर राजनीतिक मोर्चा भी खुल गया है। केंद्र में सत्तारूढ़ राजग का कहना है कि मतदाता सूची का सत्यापन जरूरी है, ताकि अवैध मतदाताओं का पता चल सके। वहीं विपक्षी दलों का तर्क है कि इस पूरी प्रक्रिया को एक सप्ताह के लिए बढ़ाने के फैसले से इस बात की पुष्टि होती है कि इसे बिना सोचे-समझे जल्दबाजी में शुरू किया गया है। इसके लिए कम कम से एक माह का समय और दिया जाना चाहिए। सवाल है कि इस महत्त्वपूर्ण काम को पूरा करने का जिम्मा जिन बूथ स्तरीय अधिकारियों को सौंपा गया है, अगर वही दबाव और तनाव का शिकार होकर जीवन पर जोखिम के दौर से गुजरने लगें, तो इसकी जवाबदेही किस पर है। कुछ नेताओं ने दबाव की वजह से हो रही ऐसी घटनाओं पर सवाल उठाया है, लेकिन इसका कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया। निर्वाचन आयोग अगर एसआइआर के व्यापक अभियान को सहजता से पूरा करना चाहता है, तो इसके लिए उसे इस काम में लगे लोगों की समस्याओं पर भी गौर करना चाहिए।

शिक्षा संस्थानों की लचर निगरानी

दिल्ली में लाल किले के पास धमाके के बाद से फरीदाबाद की अल फलाह यूनिवर्सिटी संदेह के घेरे में है। उसे आतंकियों के अड्डे के रूप में देखा जा रहा है। दिल्ली बम धमाके का मुख्य आरोपित डा. उमर नबी और उसके कुछ साथी इसी यूनिवर्सिटी में चिकित्सक के रुप में कार्यरत थे। इस यूनिवर्सिटी में कार्यरत कई और डाक्टर एवं कर्मचारी जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। जांच एजेंसियां यह जानने का प्रयास कर रही हैं कि अल फलाह यूनिवर्सिटी व्हाइट कालर टेरर माड्यूल वालों का ठिकाना कैसे बन गई? प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को इस शिक्षा संस्थान में 415 करोड़ रुपयों की वित्तीय अनियमितता भी मिली है। ईडी का आरोप है कि अल फलाह यूनिवर्सिटी ने राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद (नैक) एवं यूजीसी की धारा 12(बी) के तहत मान्यता एवं सरकारी अनुदान मिलने की बात को गलत तरीके से प्रस्तुत किया। जांच बताती है कि अल फलाह स्कूल आफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलाजी की नैक मान्यता 2013 से 2018 तक ही थी तथा शिक्षा विभाग की मान्यता 2011 से 2015 तक ही 'ए' ग्रेड रही। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने नवीनीकरण कराए बिना ही अपने प्रपत्रों में 'ए' ग्रेड होने का दावा करते हुए छात्रों से करोड़ों की फीस वसूली। यह भी सामने आया है कि इस यूनिवर्सिटी ने वित्तीय वर्ष 2018 से 2025 तक 415.10 करोड़ रुपयों का शैक्षिक राजस्व अर्जित किया। 2018 के बाद इस यूनिवर्सिटी के राजस्व में तेजी से वृद्धि दर्ज की गई। 2018-19 में जहां इसका वार्षिक राजस्व केवल 24.1 करोड़ था, वहीं 2024-25 में बढ़कर 81.10 करोड़ तक पहुंच गया। इसके अलावा इस यूनिवर्सिटी की हास्टल और मेस फीस को लेकर भी अनियमितताएं सामने आई हैं। अल फलाह यूनिवर्सिटी की स्थापना 2014 में हरियाणा विधानसभा के अधिनियम 21 के तहत की गई थी। इसे यूजीसी द्वारा एक्ट 1956 की धारा 2 (एफ) के तहत मान्यता मिली। यह यूनिवर्सिटी एसोसिएशन आफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआइयू) की भी सदस्य बनी। इसमें यूजी और पीजी के साथ-साथ पीएचडी स्तर के पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाने लगे। यह चिंता की बात है कि जिस उच्च शिक्षण संस्थान पर देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए श्रेष्ठ मानव संसाधन तैयार करने का उत्तरदायित्व था, वह सफेदपोश आतंकी माड्यूल की शरणस्थली बन गया। अल फलाह मामले ने इस जैसे अन्य शिक्षा संस्थानों की गहन जांच की आवश्यकता रेखांकित कर दी है। यह स्वाभाविक ही है कि उच्च शिक्षा संस्थाओं को मान्यता देने और उनकी निगरानी करने वाली नियामक संस्थाओं पर भी सवाल उठ रहे हैं। इस सच को कहने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय में आतंकी माड्यूल का पनपना यूजीसी, एआइसीटीई और एनसीटीई जैसी नियामक संस्थाओं की उदासीनता को बयान करता है। अल फलाह का मामला यह भी बताता है कि नियामक संस्थाओं के पास कोई ठोस एवं प्रभावी निगरानी तंत्र नहीं है। यदि निगरानी तंत्र सही तरह काम कर रहा होता तो शायद अल फलाह यूनिवर्सिटी आतंकियों का अड्डा नहीं बनती और न ही वहां इतनी अधिक अनियमितताएं मिलतीं। एक आंकड़े के अनुसार देश में 1191 विश्वविद्यालय हैं। इनमें निजी विश्वविद्यालय 502, राज्य विश्वविद्यालय 494, केंद्रीय विश्वविद्यालय 57 तथा डीम्ड विश्वविद्यालयों 138 हैं। निजी विश्वविद्यालयों की संख्या तेजी से बढ़ती ही जा रही है। साफ है कि उनकी निगरानी का काम और अधिक गहन तरीके से होना चाहिए। इसलिए और भी, क्योंकि इंटरपोल और रैंड कारपोरेशन की नवीनतम टेरर विहेवियर इंटेलिजेंस रिपोर्ट से यह सामने आया है कि आतंकवाद एक नए मोड़ पर पहुंच चुका है। अब मोबाइल फोन, लैपटाप इत्यादि के जरिये भी कट्टरपंथ का प्रसार हो रहा है। अल फलाह यूनिवर्सिटी में जिस तरह डाक्टर आतंक की राह पर चलते पाए गए, उससे साफ है कि उच्च शिक्षा प्राप्त और तकनीक में दक्ष युवा आतंकी बन सकते हैं। अल फलाह यूनिवर्सिटी में सफेदपोश माड्यूल के पकड़ में आने के बाद खुफिया एजेंसियों को अन्य शिक्षा संस्थानों की गतिविधियों को लेकर भी सतर्क रहना होगा। हाल में सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली दंगों से जुड़ी सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस का प्रतिनिधित्व कर रहे एडिशनल सालिसिटर जनरल एसवी राजू ने लाल किले के निकट विस्फोट से जुड़ी घटना की चर्चा करते हुए दलील दी कि जब बुद्धिजीवी आतंकी बन जाते हैं तो वे कहीं ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। उच्च शिक्षित छात्रों को कट्टरपंथी बनाने से जुड़े इकोसिस्टम के उजागर होने से देश के समक्ष एक नया खतरा उत्पन्न होने के संकेत मिल रहे हैं। यह पहला मौका है जब यूजीसी से मान्यता प्राप्त एक शिक्षा संस्थान सफेदपोश आतंकी माड्यूल को संचालित करता पाया गया। एजेंसियों को संदेह है कि यह माड्यूल कश्मीर के अस्पतालों को जहरीले हथियार छिपाने के ठिकाने के रूप में प्रयोग करने का इरादा रखता था।

संसद सत्र का औचित्य, शुरुआत हंगामे से ही हुई

बिहार में एसआइआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में न जाने कितनी बार सुनवाई हुई। इस दौरान चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों के वकीलों की ओर से उठाए गए हर सवाल का जवाब दिया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआइआर पर रोक लगाने की आवश्यकता नहीं समझी, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि वह चुनाव आयोग के जवाब से संतुष्ट रहा। अब 12 राज्यों में एसआइआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इसमें संदेह है कि इस सुनवाई से विपक्षी दलों को कुछ हासिल हो सकेगा

जैसी आशंका थी, वैसा ही हुआ, संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हंगामे से ही हुई। सबसे अधिक हंगामा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर को लेकर हुआ। विपक्ष की मांग है कि बिहार के बाद अन्य राज्यों में जारी एसआइआर को लेकर सदन में चर्चा कराई जाए। इस पर चर्चा हो तो सकती है, लेकिन आखिर सरकार इस पर विपक्ष के उन सवालों का जवाब कैसे दे सकती है, जो वस्तुतः चुनाव आयोग को देने हैं? एसआइआर की प्रक्रिया चुनाव आयोग की ओर से कराई जा रही है और इसे लेकर उठे सवालों का सही-सटीक जवाब वही दे सकता है। ऐसा नहीं है कि चुनाव आयोग एसआइआर को लेकर उठे सवालों का जवाब देने से मना कर रहा है। वह राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के समय तो उनके सवालों का जवाब दे ही रहा है, सुप्रीम कोर्ट के समक्ष भी अपनी स्थिति स्पष्ट कर रहा है। बिहार में एसआइआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में न जाने कितनी बार सुनवाई हुई। इस दौरान चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों के वकीलों की ओर से उठाए गए हर सवाल का जवाब दिया। चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआइआर पर रोक लगाने की आवश्यकता नहीं समझी, इसलिए यह सहज ही समझा जा सकता है कि वह चुनाव आयोग के जवाब से संतुष्ट रहा। अब 12 राज्यों में एसआइआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हो रही है। इसमें संदेह है कि इस सुनवाई से विपक्षी दलों को कुछ हासिल हो सकेगा, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट एसआइआर में किसी तरह की त्रुटि नहीं देख रहा है। एसआइआर पर रोक की सूरत इसलिए भी नहीं दिखती, क्योंकि बिहार की तरह अन्य राज्यों में भी ऐसा होना समय की मांग है। यह समझा जाए तो बेहतर कि मतदाता सूचियों को ठीक करने का एक ही उपाय है और वह है एसआइआर। विपक्ष एसआइआर को लेकर अपने सुझाव तो दे सकता है, लेकिन यदि वह यह चाहेगा कि ऐसा किया ही न जाए तो यह संभव नहीं। एसआइआर को लेकर संसद में हंगामा कर विपक्ष चर्चा में भले आ गया हो, लेकिन एक तरह से वह हारी हुई लड़ाई लड़ते हुए दिख रहा है। इसका पता इससे चलता है कि लोकसभा में हंगामे के बीच ही मणिपुर से संबंधित जीएसटी विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो गया। बिना चर्चा विधेयक पारित होना अपवाद तो हो सकता है, लेकिन उसे चलन नहीं बनने देना चाहिए। संसदीय प्रक्रिया के लिए यह कोई शुभ संकेत नहीं कि विधेयक बिना किसी चर्चा के पारित हो जाएं। यदि विधेयक बिना चर्चा पारित होने लगेंगे तो फिर संसद सत्र बुलाने का औचित्य ही खत्म हो जाएगा। हैरानी नहीं कि संसद के इस सत्र में कुछ और विधेयक बिना चर्चा के ही पारित हो जाएं। इस सिलसिले को रोका जाना चाहिए और यह तब रुकेगा, जब पक्ष-विपक्ष संसद चलाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
3 दिसम्बर, 2025

शतरंज प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। स्व.श्री चिरंजीलाल तोलासरिया की आठवीं पुण्य स्मृति में आयोजित शतरंज प्रतियोगिता का मंगलवार को शुभारंभ हुआ । आरम्भ में विजय शंकर तोलासारिया ,रविशंकर, सुशील कुमार ,अरुण कुमार ,मुकेश तोलासारिया,का विकसित तोलासारिया,अभिनव,अमन , हर्ष,ज्ञानप्रकाश गोयनका , केशर देव टेलर, सत्यनारायण भीमसरिया, पंकज शर्मा,बनवारी गाड़ोदिया ,श्रवण ,रोहिताश टेलर ,विजय बिजारणियां,नरेश खेमानी ,मनोज ढाका, राकेश , बजरंग टोडरवास ,दयानंद यादव ,अशोक टेलर ,महेश टेलर, तोलाराम सोनी ,आदि गणमान्य लोगों ने सेठ जी के चित्र के समक्ष पुष्पार्जलि अर्पित कर प्रतियोगिता शुभारंभ किया । इस मौके पर मंचासीन अतिथियों ने खिलाड़ियों के उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि मण्डावा में लगातार शतरंज प्रतियोगिताओं के आयोजन से खिलाड़ियों का बौद्धिक स्तर बढ़ा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में मण्डावा का नाम प्रदेश और देश स्तर पर रोशन होगा। इस दौरान अनेक रोचक मुकाबले हुए । अन्त में मीडिया प्रभारी आदित्य तोलासरिया ने आगन्तुक मेहमानों का आभार जताया ।

विशाल सैनी का रेलवे में चयन होने पर किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.)। फतेहपुर मार्ग स्थित श्री राणीसती फर्नीचर हाऊस में मंगलवार को मण्डावा निवासी विशाल सैनी पुत्र रामस्वरूप चौपदार का रेलवे विभाग में सहायक लोको पायलट के पद पर चयन होने के उपलक्ष्य में जनसेवी विकास देवड़ा ने विशाल को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है । कार्यक्रम में गोपाल देवड़ा, कपिल सैनी, दिनेश जांगिड़ विक्रम सर्वा कमालसर, रामविलास, किशोरी लाल व लाला भाया सहित अनेक गण मान्य लोग उपस्थित रहे ।

राष्ट्रीय सेवा योजना का एक दिवसीय शिविर आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.) राजकीय कन्या महाविद्यालय, हेतमसर में मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वितीय एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में प्रियंका, सहायक आचार्य द्वारा विश्व एड्स दिवस पर व्याख्यान दिया गया एवं प्रश्नोतरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बी ए सेमेस्टर पंचम की छात्रा पूजा तंव्र विजेता रही। श्रमदान सत्र में एनएसएस की स्वयंसेविकाओं तथा महाविद्यालय स्टाफ द्वारा खेल मैदान की साफ-सफाई की गयी। स्फूर्ति सत्र में प्राचार्य डॉ. सुनीता बेनीवाल एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी अविनाश कुमार मील ने भारतीय ज्ञान परंपरा में श्रमदान की महता के बारे में बताया। अंत में सामूहिक परिचर्चा चाय-नाश्ते के सेवन के साथ शिविर का समापन हुआ। इस अवसर पर संकाय सदस्य सुभाष चन्द्र, योगेन्द्र कुमार, रविकान्त मीणा, एवं अशोक कुमार सैनी, सुनिता कुमारी स्टाफ सदस्य तथा छात्रायें उपस्थित रही।

मतदाता सूची में दो-दो जगह या मृत्यु के बाद नाम कटने से पेट में दर्द होता है तो होता रहेः खीचड़

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.) भाजपा के वरिष्ठ नेता व अलसीसर के पूर्व प्रधान गिरधारीलाल खीचड़ ने एसआईआर पर आरोप-प्रत्यारोप को लेकर कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता लोकतंत्र को मजबूत करती है। घुसपैठिया मतदाता सूची में जाएगा तो अशुद्धता करेगा। जिन लोगों के मतदाता सूची में दो-दो जगह नाम थे, मृत्यु होने के बाद भी नाम लिखे थे, उनके नाम कटने से किसी के पेट में दर्द होता है तो होता रहे। कांग्रेस हार की खीझ को उतारने के लिए एसआईआर पर अनर्गल बातें कर रही है। वे मंगलवार को जारी एक वक्तव्य में यह बात कही। एक भी लोक जनकल्याणकारी काम बंद किया है तो गहलोत सूची जारी करें: पूर्व सीएम गहलोत के सरकार के खिलाफ आरोप कि जो काम उनकी सरकार ने जारी किए थे, वे भी बंद कर दिए, के सवाल के जवाब में गिरधारी प्रधान ने कहा कि बिना बजट प्रावधान के जिन कार्यों को उन्होंने जारी किया, वे बंद हुए हैं, लेकिन लोक जनकल्याणकारी एक भी काम बंद किया हो तो उसकी सूची जारी करनी चाहिए। गहलोत साहब का बयान तथ्यों के आधार पर होता तो गंभीरता से लिया जाता।

कांग्रेस का बीएलए व कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर हुआ आयोजित

मतदाता सूची पर हुई विस्तृत चर्चा

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.)। उपखंड लक्ष्मणगढ़ के पाटोदा गांव में वीर तेजाजी मंदिर प्रांगण में सोमवार को पाटोदा मण्डल कांग्रेस द्वारा बूथ लेवल एजेंट बीएलए प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के निर्देश पर निर्वाचन आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर मतदाता सुचि अभियान के सम्बंध में आयोजित किया गया था। बीएलए एवं कार्यकर्ताओं को एसआईआर को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता पाटोदा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप शर्मा और मुख्य प्रशिक्षण वक्ता पूर्व पंचायत समिति सदस्य नरेन्द्र बाटड़ थे।वंही ब्लॉक कांग्रेस महामंत्री ओमप्रकाश शर्मा, संगठन महामंत्री राधेश्याम पारीक, पंचायत समिति सदस्य राकेश वर्मा, पंचायत समिति प्रतिनिधि जितेंद्र भोजासर मंचस्थ थे। प्रशिक्षण के दौरान मुख्य प्रशिक्षक पूर्व पंचायत समिति सदस्य नरेन्द्र बाटड़ ने सभी बुथों पर नियुक्त कांग्रेस के बीएलए को एसआईआर अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उनके सवालों के जवाब दिए गए और उनके सूझावों पर अमल किया गया। बीएलए और कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को एसआईआर से संबंधित कार्यों की सतत निगरानी के लिए उचित दिशा निर्देश भी दिए गए। बाटड़ ने आगे कहा कि सभी बीएलए एवं कार्यकर्ताओं को घर घर जाकर निर्वाचन आयोग द्वारा अधिकृत बीएलएओ के साथ रहकर मतदाताओं के गणना प्रपत्र भरने में सहयोग करें। कांग्रेस के अधिकृत प्रत्येक बीएलए को खुद को पार्टी का पहरेदार बनकर एसआईआर का कार्य करना है। एसआईआर से जुड़ी बारिकियों और तकनीकी जानकारी प्रदान करने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने अपने बूथों पर सक्रिय भूमिका निभाने, मतदाता सुचियों में पारदर्शिता लाने और संबंधित बीएलओ से अपने अपने बुथों पर सक्रिय भूमिका निभाने, मतदाता सुचियों में पारदर्शिता लाने के लिए संबंधित बीएलओ से समन्वय स्थापित कर सभी पात्र मतदाताओं का नाम सुची में सुनिश्चित करने का आह्वान किया। पाटोदा मण्डल अध्यक्ष प्रदीप शर्मा ने कहा कि पार्टी की एक जुटता ही हमें हर बाधाओं से दुर कर सकती है। हम सभी की जिम्मेदारी है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सुची से वंचित न रहें। ब्लॉक संगठन महासचिव राधेश्याम पारीक व ओमप्रकाश शर्मा पाटोदा ने सम्बोधन में बताया की इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सुची के विशेष गहन पुनरीक्षण, बुथ स्तर पर सत्यापन, नए मतदाताओं के पंजीकरण, त्रुटियों के सुधार और निर्वाचन कार्यों से जुड़े सभी बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा करना था। संगठन स्तर पर एसआईआर प्रक्रिया के सफल संचालन पर भी विस्तृत चर्चा हुई।इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में नेमीचंद निठारवाल बठोठ, विरेन्द्र शर्मा, हरिराम ढाका बठोठ, छगन लाल डोटासरा पाटोदा,ओमप्रकाश मुंड भोजासर,हणमान फगेड़िया पचार ढाणी,सुलतान डोटासरा, पंच रामस्वरूप डोटासरा, पंच ओमप्रकाश डोटासरा, जबार अलखपुरा, मोहसिन अलखपुरा, पालीराम मायल अलखपुरा, सतीश शर्मा नरसास, कैप्टन भागिरथ ढाका नरसास, जगदीश ढाका नरसास,गणेश कुलड़िया डोटासरा,हजारीमल ढाका पाटोदा, हुकमाराम ढाका पाटोदा, सूरेन्द्र सिंह शेखावत पाटोदा, रूघनाथ ढाका, देवीलाल शेखावत पाटोदा, मनीष भदाला पाटोदा,राजेन्द्र डोटासरा पाटोदा, विजेन्द्र सिंह शेखावत,लियाकत काजी अलखपुरा, सलीम,अयुब भाटी बठोठ,यासिन कुरेशी सहित बीएलए और अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय जम्बुरी लखनऊ से लौटे स्काउट गाइड दल का किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। 19 वीं राष्ट्रीय स्काउट व गाइड जम्बुरी का आयोजन उत्तर प्रदेश लखनऊ में 23 नवंबर से 30 नवंबर तक हुआ। राष्ट्रीय जम्बुरी में स्थानीय संघ के 36 सदस्यीय दल ने भाग लिया। संघ के सचिव बाबूलाल स्वामी ने बताया कि स्थानीय संघ के चार दलों में विभिन्न विद्यालयों जैसे राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मीतासर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मालसर, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अंबेडकर मोहल्ला, स्वर्ण जयंती गाइड कंपनी सरदारशहर, सूरज पब्लिक स्कूल, श्री भारती आदर्श विद्यापीठ, केकेसी इंटरनेशनल स्कूल सरदारशहर आदि के स्काउट गाइड ने भाग लिया। जम्बुरी दल का नेतृत्व संघ के सचिव बाबूलाल स्वामी, ट्रेनिंग काउंसलर स्काउट सुरेश कुमार घोटड़, ट्रेनिंग काउंसलर गाइड इंदुबाला वर्मा व मीनाक्षी अग्रवाल ने किया। भ्रमण दल के रूप में क्वार्टर मास्टर विनोद कुमार मीणा, संयुक्त सचिव अरुणा शर्मा, स्काउटर रतनलाल घींटाला आदि ने जम्बुरी का भ्रमण किया। स्काउट गाइड ने जंबूरी में आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों में जैसे एडवेंचर सामुहिक लोक नृत्य, शिविर कला स्किलोरामा, फूड प्लाजा मार्च पास्ट आदि गतिविधियों में भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। राजस्थान राज्य के स्काउट गाइड ने आयोजित होने वाली गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। जम्बुरी में समस्त गतिविधियों में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा राजस्थान को सर्वोच्च अवार्ड नेशनल कमिशन फ्लैग एवं दोनों विंगों स्काउट गाइड में चीफ नेशनल कमिशन शिल्ड का अवार्ड प्रदान किया। जंबूरी दल के लौटने पर स्थानीय संघ के पदाधिकारीयों ने सम्मान किया। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष सुरेश चंद्र शर्मा, ट्रेनिंग काउंसलर नीशा माली, पुष्पा पूनियां, बाबूलाल सैनी, क्वार्टर मास्टर विनोद कुमार मीणा, जयसिंह पूर्वा, शिक्षाविद गजेंद्र सिंह राठौड़ आदि ने जम्बुरी दल का माला पहनाकर व मोमेंटों प्रदान कर सम्मान किया।

उर्दू प्रोफेसर ने किया संस्कृत पोस्ट ग्रेजुएट का सम्मान

जयपुर टाइम्स

चूरू(निसं.) मोहल्ला चेजारान चूरू में सोमवार को उर्दू डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन नई दिल्ली के राष्ट्रीय सचिव असि. प्रोफेसर डॉ शमशाद अली की ओर से चेजारा समाज की संस्कृत से प्रथम पोस्ट ग्रेजुएट परवीन आलम के चूरू आगमन पर मोमेंटो, शॉल और पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर कमल सिंह कोठारी ने कहा कि राजकीय लोहिया महाविद्यालय के निर्माण कार्य में चेजारा समाज के झबरूद्दीन चेजारा का बहुत महत्वपूर्ण रोल रहा है। अल्पसंख्यक समाज की बेटी का 32 साल पहले संस्कृत से पोस्टग्रेजुएट करना बहुत बड़ी है और अहम बात है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व प्रधान व प्रखर वक्ता रणजीत सातडा ने कहा कि शिक्षा से ही परिवार, समाज और देश का नाम रोशन होता है। डॉ. शमशाद अली ने कहा कि पिछडे समाजों के आगे आने से ही देश की तरक़्क़ी को रफ्तार मिलेगी। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि जाने माने एंकर व प्रिंसिपल मुकुल भाटी और संस्कृत के स्कॉलर व प्रिंसिपल अमर सिंह कस्वाँ भी मंचाशीन थे। विदित हो कि परवीन के दादा झबरुद्दीन की देख रेख मे ही कॉलेज का निर्माण कार्य संपन्न हुआ था। परवीन के पति डॉ. आलम अली सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिशनर वकील और पुत्र परवेज़ आलम ने लंदन से एम बी ए की डिग्री हासिल कर समाज का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर लाल मोहम्मद चेजारा, क़ासम अली चेजारा , महेंद्र चौबे,डॉ अरिफ खान, डॉ अहसान अली, डॉ साजिद चौहान, डॉ क़ादिर हुसैन,उस्मान चेजारा,एडवोकेट सद्दाम हुसैन, तैयूब अली चेजारा,, गुलाम नबी चेजारा, उसमान अंसारी, शकील दुर्रानी,लियाकत चेजारा, याकूब चेजारा, यूसुफ चेजारा,मोहम्मद इस्लाम चेजारा, इब्राहीम चेजारा,कबीर चेजारा, साहिल चेजारा,फैसल चेजारा, तनवीर चेजारा,असद चेजारा,आसिफ चेजारा, ओसामा चेजारा, मोहम्मद इस्लाम चेजारा इत्यादि मौजूद रहे।

श्रमिकों को एचआईवी एड्स से बचाव की दी जानकारी

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निसं.) विश्व एड्स दिवस के दिन समय,आरयूआडीपी द्वारा चल रही सीवरेज परियोजना में कार्यरत एलएन्डटी कम्पनी के श्रमिकों को एचआईवी एड्स से बचाव के बारे में विस्तार पुर्वक जनकारी देते हूए जन सहभागिता इकाई के प्रवीण सिंह राठौड़ व काजल सांखला ने बताया की आप श्रमिक परिवार से काफी दुर काम करने के लिए आये हो इस बिमारी के बचाव ही उपाय हैय बिमारी फैलने कारण के बारे जानकारी देते हुए बताया की एचआईवी व्यक्ति शारीरिक सम्बंध व एचआईवी व्यक्ति के खुन किसी दुसरे व्यक्ति के खुन चढाने से एचआईवी ग्रसित महिला के गर्भवती के दौरान बच्चे को फैल सकता है । इस बिमारी के लक्षण के बारे में जानकारी देते हुए बताया की तेजी से वजन घटना, अत्यधिक थकान, वजन घटना, त्वचा में बदलाव आना आदि -आदि होता इस तरह के लक्षण हो तो तुरंत चिकित्सक से सम्पर्क करे ओर अगर ये बिमारी हो भी जाए तो घबराए नहीं चिकित्सक की सलाह लें।

श्रीकृष्ण रूक्मणि विवाह का प्रसंग सुनाया

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय गनोड़ा रोड़ स्थित किस्तूरनाथ बगीची में चल रही श्रीमद्भागवतकथा के पांचवे दिन मुख्य यजमान सोहनलाल गुलेरिया रहे। विश्व हिंदू परिषद के सुभाष पारीक, कपिल, अशोक कुमार जाखड़, श्रवण धेतरवाल, संपत पथानिया के द्वारा कथावाचक मोहित राज शास्त्री का सम्मान किया गया। हेमराज प्रजापत, पन्नालाल प्रजापत, सुखराम नूवा, भंवरलाल गुलेरिया, जगदीश दाधीच, मदनलाल गेना, डालमचंद प्रजापत, महावीर गुलेरिया आदि ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग रहा। राजकुमार प्रजापत ने बताया कि ग्रामीण महिलाएं बड़ी संख्या में कथा सुनने के लिए पहुंच रही हैं। कथा में पांचवे दिन श्रीकृष्ण रूक्मणि विवाह का प्रसंग सुनाया गया।

शुद्ध आहार - मिलावट पर वार अभियान के तहत एक्सपायरी डेट के खाद्य पदार्थ कराये नष्ट..

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निसं.) शुद्ध आहार मिलावट-पर-वार अभियान के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण आयुक्त डॉ. टी. शुभ मंगला के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के नेतृत्व में आज झोटवाड़ा इंडस्ट्रियल क्षेत्र स्थित अमेज़न सेलर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड पर निरीक्षण एवं कार्यवाही की गई। निरीक्षण के दौरान टीम द्वारा पाया गया कि धनिया पाउडर (2 पैकेट, उपयोग-अवधि : नवम्बर 2025), मसाला छाछ (2 पैकेट, उपयोग-अवधि : 01.12.2025), कद्दू के बीज (उपयोग-अवधि : 18.08.2025) तथा काबुली चना 1 किग्रा (उपयोग-अवधि : 30.11.2025) जैसे उपयोग-अवधि पार (एक्सपायरी) खाद्य पदार्थ रैकों में रखे मिले। इसके अतिरिक्त कई खाद्य पदार्थों के पैकेटों पर धूल-मिट्टी जमी हुई पाई गई तथा कुछ पैकेट रिसाव (लीकेज) की स्थिति में रैकों में रखे थे, जो उपभोक्ता स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण है। कार्यवाही के दौरान स्थल पर उपलब्ध बादाम पेय, यूनिबिक बिस्कुट तथा दालचीनी के एक-एक नमूने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत परीक्षण हेतु लिए गए। साथ ही मौजूद सभी उपयोग-अवधि पार (एक्सपायरी) खाद्य सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया गया। लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट प्राप्त होने पर नियमों के अनुरूप आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी। निरीक्षण में यह भी पाया गया कि हींग के स्थान पर 'क्रिस्टा' ब्रांड की बंधानी हींग बेची जा रही थी, जो उपभोक्ता को भ्रमित करने वाला भ्रामक (मिसलीडिंग) व्यवहार है। इस संबंध में अलग से चालान तैयार कर माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया जाएगा। इस कार्रवाई में खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद कुमार शर्मा, नरेश कुमार चेजारा, वीरेंद्र सिंह, विशाल मित्तल तथा पवन गुप्ता शामिल रहे।

संत शिरोमणी रतिनाथजी महाराज़ की मूर्ति स्थापना 4 दिसम्बर को

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.) मंडावा की गौसेवा में अग्रणी मुकुंदगढ़ रोड स्थित टीकमदास आश्रम में संचालित संस्था कामधेनु निराश्रित गौशाला में मंडावा की महान विभूति संत रतिनाथजी की मूर्ति की स्थापना 4 दिसम्बर को होगी। इससे पूर्व संध्या 3 दिसंबर को हवन पूजन होगा व रात्रि में झारिया धाम चूरू के संत आकाशनाथ के मुखारविंद से भजनो की रस गंगा बहेगी। यह जानकारी देते हुए टीकमदास आश्रम के मंहत नरेन्द्र सुरोलिया व रविंद्र शर्मा ने बताया कि रतिनाथजी जैसे महान संत की प्रतिमा स्थापित करना मंडावा वासियों के लिए गर्व की बात है। बाबा जी स्वयं परम गौ भक्त थे, गौशाला की भूमि पर उनकी मूर्ति स्थापित होना अपने आप में बहुत महान बात है। आप सभी इस पावन अवसर पर सादर आमंत्रित है।

सेवानिवृत्ति पर शिक्षक ने किया स्कूल को प्रिंटर भेंट

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.) पी एम श्री शहीद मेजर रणवीर सिंह बाबा श्री केशरनाथ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, टाईं में वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक रामधन सिंह के सेवानिवृत्ति अवसर पर एक सादे एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। रामधन सिंह ने अपने दीर्घ सेवाकाल में विद्यार्थियों को अनुशासन, स्वास्थ्य और खेलों के प्रति जागरूक रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे सदैव विद्यालय के विकास और विद्यार्थियों की उन्नति के लिए तत्पर रहे। अपने इसी समर्पण भाव को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने विद्यालय को एक प्रिंटर भेंट किया, जिससे प्रशासनिक कार्यों व विद्यार्थियों से सम्बंधित दस्तावेजों के मुद्रण कार्य में सुविधा होगी। इससे पहले भी रामधन सिंह ने विद्यालय में टीनशेड निर्माण में 51,000 रुपये का सहयोग किया था। विद्यालय के प्रधानाचार्य हरिसिंह ने उनके योगदान की सराहना करते हुए कहा कि श्री रामधन सिंह जैसे निष्ठावान एवं प्रेरणादायक शिक्षक विद्यालय के गौरव को ऊँचाइयों तक पहुँचाते हैं। उन्होंने उनके स्वस्थ, सुखद और सक्रिय जीवन की कामना की।

श्याम सहारा परिवार का चतुर्थ मासिक कीर्तन संपन्न

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निसं.)। स्थानीय प्राचीन श्याम हनुमान मंदिर द्वारा संचालित श्याम सहारा परिवार का चतुर्थ मासिक कीर्तन श्याम प्रेमी रामोतार जांगिड़ के यहां रघुनाथ अस्पताल के सामने उनके आवास पर बड़े हर्ष और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।श्याम सहारा परिवार के सुरेश बीबीपुरिया ने बताया कि बाबा के दिव्य ज्योत प्रज्वलन और गणेश वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई, भजन गायक सवाई सिंह चौहान, विनय तमोली, सिद्धि शर्मा, खुशी पुजारी, सुनील सोनी, मनीष सेन सहित स्थानीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक भजनो की प्रस्तुती दी,जिन पर भक्त देर रात तक झूमते-नाचते रहे और वातावरण श्याम भक्ति से सराबोर हो उठा। जहां एक ओर सिंहासन पर विराजे बाबा का दरबार फूलों, गजरों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया वही भगवान राम का दरबार और श्री बालाजी महाराज का दरबार भी अपने आप में अलग छटा बिखेर रहा था फूलों व इत्र की बरसात ने भक्तों का मन मोह लिया। कीर्तन के बाद प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर रामावतार जांगिड़ ,सुभाष जांगिड़, नथमल भंडारी, डॉक्टर यादव रघुनाथ हॉस्पिटल, मनोज(गोपी) जाजोदिया, संजीव खाटू वाला, राकेश नाउवाला, मनोज कुमार खींची, चंद्र प्रकाश चेजारा, रमेश कुमावत, प्रवीण पुजारी, प्रदीप शर्मा, शंकर लाल सैनी, कन्हैया लाल सैनी, रोहित सैनी, महेश सोनी, बाल कलाकार विनीत बीबीपुरिया,सहित अनेक श्याम भक्त उपस्थित रहे। कार्यक्रम की यजमान बने रामावतार जांगिड़ और सुभाष जांगिड़ एवं जांगिड़ परिवार द्वारा सभी का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन सुरेश बीबीपुरिया ने किया।

थाने में अधिवक्ता से मारपीट का आरोप, एसएचओ पर कार्रवाई की मांग

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निसं.) कुड़ी भगतासनी थाने में के साथ कथित मारपीट के विरोध में मंगलवार को अभिभाषक संघ के सदस्यों ने सिविल न्यायाधीश एवं न्यायिक मजिस्ट्रेट कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने न्यायिक मजिस्ट्रेट सरिता कायत को ज्ञापन सौंपकर थानाधिकारी (एसएचओ) पर कार्रवाई की मांग की। अधिवक्ताओं ने ज्ञापन में बताया कि सोमवार, 1 दिसम्बर को कुड़ी भगतासनी थाना परिसर में थानाधिकारी सहित पुलिसकर्मियों ने अधिवक्ता भरतसिंह राठौड़ और उनके सहयोगियों के साथ मारपीट की। घटना की राजस्थान हाईकोर्ट लॉयर्स एसोसिएशन, राजस्थान हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन जोधपुर और जिला अभिभाषक संघ चूरू ने कड़ी निंदा की है। घटना के खिलाफ वकीलों ने मंगलवार को उच्च न्यायालय से लेकर सभी अधीनस्थ न्यायालयों में स्वेच्छा से न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। बीदासर अभिभाषक संघ के सभी अधिवक्ता भी एक दिन के पूर्ण कार्य बहिष्कार पर रहे। इस दौरान संरक्षक दीनदयाल प्रजापत, रघुवीर भामु, उपाध्यक्ष शाहिद सोलंकी,महेश छापोला, परमानन्द बिजारणियां, रजत पाण्डे, इरफान सोलंकी,आरती डूखवाल, राजू कुमार ढाका, नरेंद्र सिंह,आमीन शेख,अख्तर सोलंकी आदि अधिवक्ता उपस्थित थे।

सुप्रीम फाउंडेशन ने बच्चों को बांटे स्वेटर

जयपुर टाइम्स

बीदासर(निसं.) कस्बे के दडीबा स्थित पार्वती देवी राठी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को कक्षा 1 से 5 तक के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को स्वेटर वितरित किए गए। कार्यवाहक प्रधानाचार्य मेघराज गोसाईवाल ने बताया कि सुप्रीम फाउंडेशन, जसवंतगढ़ की ओर से 20 नवप्रवेशित छात्रों को स्वेटर भेंट किए गए। इस मौके पर मुरलीधर मोसलपुरिया, दीपचंद गुसाईवाल, जय सिंह, मनोज जाखड़, बजरंगलाल, लक्ष्मण दर्जी, प्रतिमा सहित शिक्षक उपस्थित रहे। ग्राम हेमासर अथुना के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी कक्षा 1 से 5 तक के सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क स्वेटर वितरित किए गए। कार्यवाहक प्रधानाध्यापक सूखा राम मेघवाल ने बताया कि स्वेटर सुप्रीम फाउंडेशन द्वारा उपलब्ध करवाए गए।

पंडित गोपालकृष्ण शास्त्री का किया स्वागत

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। आसींद के पंडित गोपालकृष्ण शास्त्री का सुजानगढ़ आगमन पर स्थानीय श्री देवनारायण भगवान मंदिर में स्वागत किया गया। श्री देवनारायण भगवान मंदिर में ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष नरेंद्र गुर्जर के नेतृत्व में ट्रस्ट के सदस्यों ने माला, साफा पहनाकर व शोल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। पंडित गोपालकृष्ण शास्त्री ने देवनारायण भगवान मंदिर में समस्त कार्यकारिणी सदस्यों को आसींद मालेशरी में होने वाले श्रीमद् भागवत कथा में पहुंचने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि धार्मिक कार्यक्रमों में ज्यादा से ज्यादा भाग लें और प्रचार प्रसार करें, जिससे सनातन धर्म और ज्यादा मजबूत हो। स्वागत करने वालों में ट्रस्ट अध्यक्ष नरेन्द्र गुर्जर, मनसुख खटाणा जगदीश दौराता, चैनरूप लीलू, सांवरमल हाकला, जगदीश दौराता, रामावतार हाकला, मनोज बोकण, रविकांत लीलू सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस में सम्मानित हुई प्रशासक सविता राठी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। वाटरशेड विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय जल स्वावलंबन हेतु पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप कॉन्फ्रेंस मुख्य अतिथि के रूप में पंचायत राज मंत्री ने कहा कि मानवता को बचाने के लिए पर्यावरण एवं जल को बचाना ही होगा। अभी सबको मिल कर काम करना होगा। मनरेगा कमिश्नर पुष्पा सत्यानी ने जलवायु को बचाने की बात कही। वाटरशेड के डायरेक्टर मुहम्मद जुनेब ने राजस्थान में वाटरशेड द्वारा करवाए कार्यों की जानकारी दी। गोपालपुरा में बरसाती पानी के बचाव हेतु किए गए प्रयासों के बारे में जानकारी देते हुए प्रशासक सविता राठी ने कहा कि चुरू जिले के एकमात्र पहाड़ी क्षेत्र में बरसाती पानी को बचाने के संपूर्ण प्रयासों से आस पास के क्षेत्रों में भी पानी की आपूर्ति की जा सकती है। भू जल विभाग, ग्रामीण विकास के सहयोग से हुए कार्यक्रम में अनेक कंपनियों एवं संस्थाओं ने भाग लिया। लगभग 150 करोड़ के एमओयू किए गए। कई तकनीकी संस्थाओं एवं विश्वविद्यालयों के वीसी ने भी भाग लिया। एक ही मंच से सबको साथ कार्य करने के लिए सभी के प्रेजेंटेशन दिखाए गए। पदम् श्री प्राप्त श्याम सुंदर पालीवाल एवं लक्ष्मण सिंह ने अपने अनुभव साझा किए। जयपुर में आयोजित कार्यक्रम में मंच पर वक्ताओं को सम्मानित किया गया। एडिशनल डायरेक्टर सुशीला ने कार्यक्रम का संचालन किया।

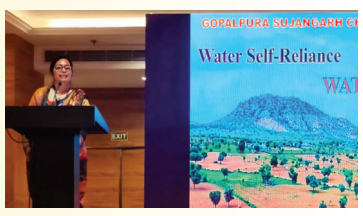

मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया अंतिम चरण में मंडावा में एसआईआर से जुड़ा 99.45 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निसं.) झुंझुनू जिले की मंडावा विधानसभा से आज मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया एस आई आर को लेकर सकारात्मक खबर सामने आई है। मतदाता सूची के एस आई आर अभियान ने जहां झुंझुनू जिले की मंडावा विधानसभा में गुड गवर्नेंस का मजबूत उदाहरण पेश किया है। जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग की सक्रिय मॉनिटरिंग और पारदर्शी कार्यशैली के चलते मंडावा निर्वाचन अधिकारी सुमन, सहायक अधिकारी डॉ सुरेन्द्र भास्कर के नेतृत्व में यह अभियान तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। विशेष गहन पुनरीक्षण

(एसआईआर) अभियान प्रदेश में जोर शोर से चल रहा है । राजस्थान इस अभियान के तय किए गए लक्ष्य की प्राप्ति में शीर्ष स्थान पर है और अन्य राज्यों के मुकाबले काफी अच्छी स्थिति में है । अभियान को सफल बनाने में निर्वाचन आयोग और बीएलओ की टीम दिन रात जुटी है प्रदेश के बीएलओ 15 से 16 घंटे काम कर अभियान को सफल बनाने में जुटे हुए हैं। मंडावा विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर से जुड़ा 99.45 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में चल रही है। सहायक निर्वाचन अधिकारी तहसीलदार डॉ सुरेन्द्र भास्कर ने बताया कि पंचायत समिति के वीसी रूम में स्थापित हेल्प डेस्क पर तकनीकी कार्मिक लगातार फॉर्म के डिजिटाइज कार्य में जुटे हुए हैं। उन्होंने बताया कि फील्ड से प्राप्त फॉर्मों को समय पर ऑनलाइन किया जा रहा है, ताकि मतदाता सूची का अद्यतन निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में दो लाख इकवान हजार चार सो एक गणना प्रपत्रों का वितरण किया गया था जिसका 99 प्रतिशत कार्य सम्पन्न किया जा चुका है। नायब तहसीलदार मुकेश सिहाग ने एसआईआर कार्य में जुट सभी बीएलओ को सकारात्मक सहयोग देने की बात कहते हुए शहर के कई बूथों पर पहुंचकर बीएलओ को शेष कार्य को शीघ्र पूरा करने की बात कही। बीडीओ लक्ष्मीनारायण मीणा ने मतदाताओं से अपील की है कि जिन लोगों ने अभी तक अपने गणना पत्र जमा नहीं करवाए हैं, वे इसे शीघ्र ही अपने बीएलओ के पास जमा करवा दें। अन्यथा वोटर लिस्ट से उनका नाम काट दिया जाएगा। एसआईआर हेल्प डेस्क प्रोग्रामर पूजा लाखलान ने बताया कि उनके द्वारा डेस्क से निरंतर बूथ लेवल अधिकारियों को अपना पेंडिंग कार्य शीघ्र निपटाने के लिए दिन रात कार्य में लगे हुए हैं।

सहायक अभियंता और दो कर्मचारियों को किया ताले में बंद....

पेयजल किल्लत से गुस्साए लोगों ने अधिकारियों के रवैये को बताया निराशाजनक

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के नया बास में पेयजल किल्लत से परेशान लोगों ने जलदाय विभाग के सहायक अभियंता कार्यालय पर पहुंचकर सहायक अभियंता सुनील कुमार का घेराव किया। सहायक अभियंता से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर लोगों ने एक्स. ईन. कैलाश माली से फोन पर बात की जिस पर एक्शन ने कहा कि मैं क्या कर सकता हूं। आगे से सप्लाई नहीं है, आप लोग बैठकर बात कीजिए। एक्स.ईन. के जवाब पर लोग गुस्सा गए और जिद-बहस करते हुए सहायक अभियंता सुनील और दो अन्य कर्मचारियों को ताला लगाकर सहायक अभियंता के चेंबर में ही बंद कर दिया। लोगों ने कहा कि अधिकारी समस्या का समाधान नहीं कर रहे हैं और उनके रवैये से जनता और ज्यादा परेशान हो रही है। अधिकारी एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर जनता के साथ टाइम पास करने का काम कर रहे हैं। वहीं सहायक अभियंता

ने बताया कि रतनगढ़ के पास पाइप लाईन टूटी हुई है, जिसके कारण ये दिक्कत खड़ी हुई है। हालांकि जन प्रतिनिधियों ने अलग-अलग अधिकारी लोगों से फोन पर बार बार बात की। लेकिन उनके रूखे जवाब से लोग गुस्सा गए। तालाबंदी के करीब 20 मिनट तक सहायक अभियंता अंदर ही बैठे थे। इधर जलदाय विभाग के उच्च अधिकारी फोन पर जनप्रतिनिधियों से बात करते रहे। आखिर 4 घंटे में सप्लाई के आश्वासन के बाद लोगों ने ताला खोल दिया। करीब 20 मिनट तक सहायक अभियंता और दो कर्मचारी ताले में बंद ही बैठे रहे। इस दौरान पार्षद प्रतिनिधि नरेंद्र प्रजापत, पन्नालाल सोनी, प्रकाश सोनी, एडवोकेट मनीष दाधीच, दीनदयाल परीक, अमन जैन, गिरीश प्रजापत, भागीरथ स्वामी, राजकुमार शर्मा, हरि भोजक, मूलचंद शर्मा सहित अनेक लोग मौजूद रहे। सोचने वाली बात ये है कि सर्दी के मौसम में पेयजल किल्लत है, तो गर्मी के मौसम में क्या हाल होंगे। सही मोनिटरिंग के अभाव में आम जनता परेशान हो रही है, उपर से शादियों का सीजन चल रहा है, जिसके कारण लोगों को पेयजल की ज्यादा आवश्यकता भी है।

राजेंद्र कुमार नायक कल से चूरू जिले में

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र कुमार नायक चार दिवसीय दौरे पर चूरू आयेंगे। उनके सचिव अश्विनी कुमार शर्मा ने बताया कि 3 दिसम्बर को राजेंद्र कुमार नायक सालासर पहुंचकर बालाजी के दर्शन कर पूजा अर्चना करेंगे। वहीं 4 दिसंबर को सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क पर रहेंगे। इसी प्रकार 6 दिसम्बर को जैतासर में आयोजित होने वाले कम्प्यूटर केंद्र प्रशिक्षण शुभारंभ समारोह में शिरकत करेंगे। इसी दिन बाबा साहेब डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर निर्वाण दिवस पर आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर में भी भाग लेंगे।

हादसे में दो लोग हुए घायल

सुजानगढ़(नि.सं.)। गत शाम को शिवबाड़ी रोड सुजानगढ़ पर कार ने मोटरसाइकिल सवार को टक्कर मार दी, जिससे बाईक पर सवार दो लोग घायल हो गए। राहगीर भरत सामरिया ने टीम हारे का सहारा संयोजक श्याम स्वर्णकार को दी सूचना तथा घायल की मदद कर प्रताप गुर्जर की निजी गाड़ी से बगड़िया अस्पताल पहुँचाया। जहाँ डॉ रामरतन बिस्सू ने इलाज किया। घायलों मे उस्मान, निवासी वार्ड 31 नाथो तालाब बास, मुकेश निवासी सुजानगढ़ के नाम शामिल हैं।

पंचायतों में 2.80 करोड़ों के विकास कार्यों का भाजपा के जनप्रतिनिधियों ने किया लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निसं.)। विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायतों जिला परिषद व पंचायत समिति के द्वारा करवाए गए विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण आठवें चरण में जारी रहा। इस चरण में जिला प्रमुख वंदना आर्य और प्रधान कोष से निर्मला राजपुरोहित द्वारा ग्राम पंचायत मालसर, मालकसर, बायला व रामसीसर में 2.80 करोड़ रूपए की लागत से हुए विकास कार्यों का मंगलवार को लोकार्पण पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवां, जिला प्रमुख वंदना आर्य, प्रधान प्रतिनिधि व भाजपा जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन राजपुरोहित ने किया। इस अवसर पर डेयरी चेयरमैन लालचंद मूंड, भूमि विकास बैंक चेयरमैन ईश्वरराम डूडी, बीडीसी सदस्य श्यामलाल शर्मा, जिला परिषद सदस्य गिरधारीलाल पारीक, एड. श्योकरण पोटलिया, प्रकाश भाकर, हीरालाल बेनीवाल, मंडल अध्यक्ष राजवीर सिंह राठौड़, भाजयुमो महामंत्री गुरू धानका सहित अनेक जनप्रतिनिधियों नें किया। इस अवसर पर ग्रामीणों नें सभी नेताओं का विकास कार्यों के लिए आभार जताते हुए जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया। विकास कार्यों में मुख्यतः चारदिवारी, गेट निर्माण, खरंजा निर्माण, थ्री फेज ट्यूबवेल, पुस्तकालय

भवन, विद्यालयों में कक्षा-कक्ष, टिन शेड, आंतरिक सड़क निर्माण, सार्वजनिक विश्राम गृह जैसे विकास कार्य शामिल है। ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए पूर्व मंत्री रिणवां नें कहा कि भारत उस सनातन धर्म की भूमि है जिसे बड़े-बड़े देवताओं नें भी माना है। विरोधी पार्टियां चाहे कितनी भी कोशिश करले वो अपने मकसद में कामयाब नहीं होंगे। सनातन धर्म इस दुनिया का सर्वश्रेष्ठ धर्म है। प्रधान प्रतिनिधि मधुसूदन राजपुरोहित नें ग्रामीणों का आभार जताते हुए कहा कि मैंने अपने पिताजी के पदचिन्हों पर चलते हुए आपके आशीर्वाद से मिली जिम्मेदारी का ईमानदारी से निर्वहन किया। ग्रामीण क्षेत्र में हमनें हमारी जिम्मेदारी समझते हुए करोड़ों के विकास कार्य करवाएं है। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य दुर्गा देवी मेघवाल, पंस सदस्य कविता भाकर, सरपंच प्रतिनिधि इंद्राज सींवर, बाला देवी सींवर, रामनिवास भादू, मामराज जोया, विमला देवी आदि अतिथियों का माला व साफा पहनाकर ग्रामीणों द्वारा अभिनंदन किया।

स्कॉर्पियो बिजली पोल से टकराने के बाद पुलिस ने मौके से 3 युवकों को किया गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस.) शहर के शहीद स्मारक के पास एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी ने बिजली के पोल को टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि ट्रांसफॉर्मर भी क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिलने पर हेड कॉन्स्टेबल सुभाषचंद्र पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने देखा कि वाहन क्षतिग्रस्त अवस्था में खड़ा था और पास में बिजली का पोल व ट्रांसफॉर्मर टूटे पड़े थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बिजली विभाग को सूचित कर तुरंत विद्युत आपूर्ति बंद करवाई गई। हेड कॉन्स्टेबल सुभाषचंद्र ने बताया कि हादसे के बाद स्कॉर्पियो में सवार तीन युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस दल ने घेराबंदी कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान तीनों युवक आक्रोशित हो गए और पुलिस से उलझते हुए अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगे। उन्होंने राहगीरों से भी झगड़ा किया और जान से मारने की धमकियां दीं। कई बार समझाने पर भी वे शांत नहीं हुए, जिसके

बाद पुलिस ने तीनों युवकों को मौके से गिगातार कर लिया। गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान राजगढ़ के महलाना निवासी सुधीर (19), कमल (19) और धांगड़ा गांव निवासी कपिल कुमार (25) के रूप में हुई है। पुलिस ने स्कॉर्पियो वाहन को क्रेन की सहायता से थाने पहुंचाया। तीनों युवकों को बीएनएसएस की धाराओं के तहत गिरफ्तार कर एसडीएम कोर्ट में पेश किया गया।

प्रारूप- 10 (नियम 6 (7) देखिए)

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, तारानगर (चूरू) राज.

क्रमांक :- 2025-26/4078 दिनांक :- 01.12.2025

-: लोक सूचना :-

श्री मुकेश सैनी पुत्र किशनलाल सैनी निवासी तारानगर ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन (आवासीय) के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थातः-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	क्षेत्र
चूरू तहसील तारानगर	तारानगर	1702/555 व 1703/555	3.1992 हैक्टेयर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अद्योहस्ताक्षरकर्त्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 01.12.2025 को जारी की गयी।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका, तारानगर

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PHED DIVISION CHURU (RAJ.)

Tel. 01562-250343, e-mail-eephedchuru@gmail.com, ee.chu.phed@rajasthan.gov.in

No-2282-2295 Date: 27-11-2025

NOTICE INVITING BID

Bids for Nit no 29/2025-26 SUPPLY OF CID JOINTS FOR HDPE PIPES in div store Churu and Nit no 30/2025-26 SUPPLY OF CID JOINTS FOR PVC PIPES in div store Churu are invited form interested bidders upto 05-12-2025 (03:00 Hrs) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. http://sppp.rajasthan.gov.in, http:// Eproc. rajasthan.gov.in) of the state and phed.raj.nic.in. The approximate value of the procurement is Nit No 29/2025-26 Rs. 01.50 Lacs. And Nit No. 30/2025-26 Rs 01.50 Lac.

UBN No. PHE 2526GSRC 09160 RS 01.50 Lac
UBN No. PHE 2526GSRC 09161 RS 01.50 Lac

Executive Engineer,
PHED Division Churu

DIPR/C/17733/2025

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PWD DN SUJANGARH

No:-1994-2008 Date:- 25/11/2025

Notice Inviting Bid No 18/2025-26

Bids for 04 (Four Nos) work are invited from interested bidders upto 18.00 PM dated 05.12.2025 Other Particulars of the Bid may be visited on the procurement portal (http:// eproc. rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and PWD departmental website th. The approximate value of the procurement is Rs. 11.50 Lacs
NIB No:- PWD2526A4501
1. PWD2526WSOB17784
2. PWD2526WSOB17785
2. PWD2526WSOB17786
2. PWD2526WSOB17787

Executive Engiener
PWD Dn. Sujangarh

DIPR/C/17635/2025

कार्यालय जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष जिला गोपालन समिति, चूरू

क्रमांक- 9007 दिनांक- 24.11.25

निविदा प्रस्ताव सूचना

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से ग्राम पंचायत गौशाला / पशु आश्रय स्थल जन सहभागिता योजना अन्तर्गत ग्राम पंचायत गौशालाओं / पशु आश्रय स्थल की स्थापना हेतु आधारभूत संरचानाओं का निर्माण कार्य करने एवं संचालन करने हेतु (अनुमानित लागत राशि रूपये 100 करोड़ प्रति ग्राम पंचायत गौशाला / पशु आश्रय स्थल) कार्यकारी संस्थाओं का चयन करने के लिए इच्छुक पात्र सक्षम गैर सरकारी संस्था / ग्राम पंचायत आदि से जिले की ग्राम पंचायत 98 (सूची संलग्न) के लिए ऑफलाईन निविदा प्रस्ताव आमंत्रित किये जाते है। निविदा प्रस्ताव से संबंधित विवरण / शर्तें वेबसाईट http//sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा निविदा प्रपत्र इसी वेबसाईट से नियत तिथि से डाउनलोड किया जा सकता है अथवा जिला संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग चूरू कार्यालय से निर्धारित शुल्क जमा करवाकर प्राप्त किया जा सकता है।
(UBN No - ANH2526SLRC 00235)

जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष
जिला गोपालन समिति, चूरू

DIPR/C/17638/2025

राज्य जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
3 दिसम्बर, 2025

एसआईआर कार्य में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 18 बीएलओ सुपरवाईजर्स हुए सम्मानित

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य जारी है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन द्वारा वर्चुअल माध्यम से जिले की 77-विधानसभा क्षेत्र बसेड़ी का 1 तथा 78-विधानसभा क्षेत्र बाड़ी के 17 कुल 18 बीएलओ सुपरवाईजर्स द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में मतदाताओं के परिगणना प्रपत्रों को शतप्रतिशत डिजिटाइज कर राष्ट्रीय महत्व के कार्य में उल्लेखनीय योगदान करने पर जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीनिधि बी टी द्वारा सम्मानित और प्रोत्साहित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि समस्त कार्मिक राष्ट्रीय महत्व के इस कार्य को पूर्ण गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ निर्धारित समयावधि में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जिले में कई बीएलओ द्वारा ईएफ वितरण और डिजिटाइजेशन में शत-प्रतिशत कार्य करने पर उनको सम्मानित किया गया है। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी हरिराम मीना, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी कर्मवीर सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

योग कार्यशाला से लोगों को किया जा रहा जागरूक

'करो योग - रहो निरोग' की तर्ज पर सफल आयोजन

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। आयुष नर्सेज़ महासंघ के बैनर तले नगरपालिका मंडल सुमेरपुर के सानिध्य में राजमाता विजयराजे टाउन हॉल में प्रात:काल योग कार्यशाला का आयोजन मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शहरी रोजगार गारंटी योजना के तहत महिला श्रमिकों को योग अभ्यास करवाया गया ।इस विशेष पहल का उद्देश्य आमजन को योग एवं आयुर्वेद के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के सपने करो योग रहो निरोग हर घर योग को साकार करना है। इस कार्यशाला में महिला योग प्रशिक्षक संगीता कुमारी औषधालय, कोलीवाड़ा, वंदना कुमारी औषधालय, शिवगंज एवं कल्पेश आर्य औषधालय, शिवगंज द्वारा विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। इनमें ग्रीवाचालन, स्कंध संचालन, कटिचालन, घुटना संचालन, ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, वज्रासन, शशकासन, उत्थान मंडूकासन, भुजंगासन, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, भ्रामरी प्राणायाम एवं ध्यान शामिल रहे। आयुष नर्सिंग महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं योग शिक्षक ललित मेघवाल ने योग से होने वाले स्वास्थ्य लाभ तथा शरद ऋतु व मौसम परिवर्तन के दौरान उचित आहार-विहार अपनाने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। कार्यशाला के सफल संचालन में नगरपालिका मंडल सुमेरपुर, आयुष नर्सिंग महासंघ तथा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सुमेरपुर अध्यक्ष राहुल सिंह मीणा,दिनेश प्रजापत,हर्षवर्धन सिंह का विशेष सहयोग रहा। कार्यकर्म का संचालक ललित कुमार सुमेरपुर ने किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आमजन ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नियमित योगाभ्यास करने का संकल्प लिया।

जिम्मेदारों अधिकारियों को अवगत कराने के बाद भी अनदेखी

कभी भी बडा हादसा हो सकता है, राहगीरों को बहुत ज्यादा परेशानी हो रही

जयपुर टाईम्स

चाकसू(निसं.) चाकसू दौसा स्टेट हाइवे 2 छान्देल कलां के आसपास दो से तीन जगहों पर पाइप लाइन लिकेज होने से रोजाना अमृत जैसा पानी सड़क पर बह रहा है। जिम्मेदारों को अवगत कराने के बाद भी अनदेखी कर रहे हैं। ऐसे में इन खड्डों में गिरकर रहागीर चोटिल हो रहे हैं। कभी भी बडा हादसा होने का इन्तजार कर रहे हैं इस स्टेट हाइवे 2 से रोजाना जिम्मेदार व प्रशासनिक अधिकारी गुजर रहे हैं लेकिन सब के सब मौन व आंखें बन्द करके चलते हैं ऐसे में स्टेट हाइवे पर पानी जमा होने के कारण वाहन चालकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे ही लगातार सैकड़ों लीटर पानी सड़क पर बह रहा है तो वहीं लोगों ने बताया कि स्टेट हाइवे पर भी कई जगह बिसलपुर पानी की पाइप लाइन लिकेज हो रही है ऐसे में आए दिन सैकड़ों लीटर पानी बह रहा है। स्थानीय लोगों ने रोष प्रकट करते हुए कहा कि हमारे लिए पीने का पानी नहीं है और सड़कों पर बहाने के लिए पानी आ रहा है ऐसे में जिम्मेदार लोगों की सूचना अनदेखी से अमृत जैसे पानी का दुरुपयोग हो रहा है। इन खड्डों के कारण किसी के साथ कोई अनहोनी होती है तो उसका जिम्मेदार अधिकारी रहेंगे। रात्रि के समय बीच हाईवे पर पानी से भरे खंडों में दुपहिया वाहन चालक गिर रहे हैं। ऐसे में बड़ा हादसे का इन्तजार कर रहे हैं जिम्मेदार लोगों के खिलाफ ग्रामीणों में काफी आक्रोश नजर आया।

गौ माता की सेवा: मानव जीवन का सच्चा धर्मज़अध्यक्ष देवड़ा

गौ भक्त खीमाराम देवड़ा द्वारा आगामी मकर संक्रांति पर्व पर गौ माता सेवा कार्य होगा आयोजित

4:30 क्विंटल लापसी व 3 क्विंटल तिल सेली का लगेगा भोग

गौ माता को भोजन कराने से पुण्य लाभ मिलता है और कटता है पाप सीआई खींची

जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(निसं.)। भारत की संस्कृति में गाय को माँ का स्थान दिया गया है। हमारे वेदों और पुराणों में गौ माता को 'धेनु' कहा गया है, जिसका अर्थ है-जो सबको भरपूर पोषण दे। दूध, दही, घी,गोबर और गौमूत्र -ये पाँच अमृत तत्व न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं बल्कि आध्यात्मिक दृष्टि से भी शुद्धता प्रदान करते हैं। इसी कड़ी में सुमेरपुर के कोलीवाडा रोड पर स्थित श्रीराम गौशाला में गौ भक्त आगे आकर संदेश देकर आमजन को गौ सेवा के लिए प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही एक से एक बढ़कर दानदाता कभी मीठा व्यंजन तो कभी हरा और सुखा चारा,गुड,लापसी,दलिया इत्यादि खिलाया जा रहा है। आपको बता दे कि गौशाला के सहयोगी एवं माली समाज अध्यक्ष खीमाराम धुलाजी देवड़ा की ओर से आगामी 14 जनवरी मकर संक्रांति पर्व पर गौ माता की सेवा के लिए 4:30 क्विंटल की लापसी तथा 3 क्विंटल तिल की सेली का मिष्ठान बनाकर गायों को भोग लगाया जाएगा । माली समाज के अध्यक्ष एवं गौ भक्त खीमाराम ने मंगलवार को चाढ़े चार क्विंटल की लापसी व तीन क्विंटल तिल की मीठी सेली बनाकर गौ माता को खिलाने की घोषणा की। इस घोषणा को लेकर गौशाला कोलीवाडा सहयोगी एवं भामाशाह देवड़ा ने बताया कि आज के आधुनिक युग में जहाँ लोग भौतिक सुख-सुविधाओं के पीछे भाग रहे हैं,वहीं गौ माता की सेवा का महत्व और भी बढ़ जाता है। गौ सेवा केवल एक धार्मिक कर्तव्य नहीं, बल्कि यह समाज और पर्यावरण दोनों के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि गौ माता का गोबर और गौमूत्र जैविक खेती के लिए वरदान है। यह खेतों की उर्वरक क्षमता बढ़ाते हैं और रसायनों से मुक्त अन्न प्रदान करते हैं। इसी कारण भारतीय कृषि परंपरा सदियों से गौ माता पर आधारित रही है। लेकिन दुख की बात यह है कि आज कई गायें सड़कों पर भटक रही हैं,भूखी-प्यासी हैं और दुर्घटनाओं का शिकार हो रही हैं। ऐसे समय में गौशालाओं का महत्व और भी बढ़ जाता है। उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि अपनी गाड़ी कमाई का कुछ हिस्सा बेजुबान पशु ,पक्षियों की सेवा में लगाना चाहिए। इस अवसर पर गौशाला के अध्यक्ष धीरज सांखला ने बताया कि श्री राम गौशाला सेवा समिति कोलीवाडा इसी दिशा में काम कर रही है। हमारी टीम दिन-रात मिलकर गौ माता की देखभाल करती है,उन्हें भोजन,पानी और चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराती है।

गौ सेवा करने से मन को शांति मिलती है। यह पुण्य का कार्य है जो व्यक्ति के जीवन को सार्थक बना देता है। सांखला ने कहा कि शास्त्रों में भी कहा गया है कि 'गवां मध्ये तिष्ठति लक्ष्मीः' अर्थात जहाँ गौ माता होती हैं, वहाँ लक्ष्मी का वास होता है। सांखला ने बताया कि भामाशाहों की ओर से गौ सेवा के लिए नियमित सहयोग मिल रहा है,इसी कड़ी में माली समाज अध्यक्ष खीमाराम धूलाजी देवड़ा परिवार के तत्वाधान में मकर संक्रांति के पर्व पर गौशाला परिसर में लापसी एवं तिल की सेली वितरण करने का कार्य आयोजित किया जाएगा।

इनका भी रहा सहयोग

अध्यक्ष धीरज सांखला ने जानकारी देते हुए कहा कि गौशाला के सहयोगी नरेश गहलोत व सिटी थाना अधिकारी रविंद्र सिंह खींची द्वारा 4 दिसंबर गुरुवार, पूर्णिमा को एक एक टोली हरा चारा गौ माता की सेवा में भेट किया जाएगा और गायों को खिलाया जाएगा। सांखला ने बताया कि नरेश गहलोत की बड़ी माताजी स्व:श्रीमती वक्तावरी देवी गहलोत तथा थाना अधिकारी रविंद्र सिंह खींची के अनुज स्व: महेंद्र सिंह की पुण्य स्मृति में गौ माता को एक-एक टोली हरा चारा खिलाया जाएगा। इस नेक कार्य को लेकर गौशाला सेवा समिति अध्यक्ष धीरज सांखला के साथ पुरी कमेटी ने सभी भामाशाहों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। गौशाला सेवा समिति की व्यवस्थापक एवं पत्रकार पुखराज कुमावत ने सभी से अपील करते हुए कहा कि आओ हम सब मिलकर करें पुण्य का कार्य।

गौशाला में आकर प्रत्यक्ष सेवा करें। गौ माता के लिए चारा,अनाज या दान करें। कुमावत ने कहा कि किसी विशेष अवसर (जन्मदिन, पुण्यतिथि,पर्व) पर गौ भोजन का आयोजन करना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। गौ सेवा करने से पाप काटता है और इंसान को मोक्ष मिलता है।

आइए मिलकर 'गौ सेवा का संकल्प ले

थाना अधिकारी रविंद्र सिंह खींची ने बताया कि संकल्प लें कि हम गौ माता की रक्षा करेंगे और इस पावन कार्य में सहयोग देंगे। क्योंकि जब तक गौ माता सुरक्षित नहीं, तब तक भारत की आत्मा सुरक्षित नहीं। उन्होंने अपने अनुज की पुण्य स्मृति पर गौ माता की सेवा के लिए आमजन को संदेश दिया।

ABVP के राष्ट्रीय अधिवेशन में जयपुर प्रांत के अभिनव सिंह को मिली बड़ी ज़िम्मेदारी

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अभिनव सिंह को केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य की घोषणा की

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। देहरादून में आयोजित अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के 71वें राष्ट्रीय अधिवेशन में देशभर से 1800 प्रतिनिधि कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। भगवान बिरसा मुंडा नगर (परेड ग्राउंड) में संपन्न तीन दिवसीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. रघुराज किशोर तिवारी ने जयपुर प्रांत के प्रांत मंत्री अभिनव सिंह को केंद्रीय कार्यसमिति सदस्य के महत्वपूर्ण दायित्व की घोषणा की। अभिनव सिंह वर्ष 2017 में गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज, धौलपुर के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे और तभी से छात्रहित के मुद्दों को सशक्त रूप से उठाते आए हैं। वे भारत सरकार द्वारा आयोजित राष्ट्रीय युवा संसद 2019 में राजस्थान का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। राज्य स्तरीय हृस्स उत्कृष्ट स्वयंसेवक पुरस्कार से सम्मानित होने के साथ–साथ वे नेशनल डेज़र्ट ट्रैकिंग कैंप में भी नेतृत्व कर चुके हैं। धौलपुर में उन्होंने रक्तदान, महिला सशक्तिकरण, नशामुक्ति, सड़क सुरक्षा एवं स्वच्छता जैसे अभियानों में

जनसरोकार की अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने वर्ष 2019 में पूर्वोत्तर राज्यों में सील दूर के माध्यम से छात्र जीवन एवं संस्कृति का अध्ययन किया। साथ ही,सितम्बर 2024 में आयोजित कॉमनवेल्थ पार्लियामेंट्री एसोसिएशन द्वारा न्यूज़ीलैंड की संसद वेलिंगटन में आयोजित 12वीं कॉमनवेल्थ यूथ पार्लियामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का गौरव बढ़ाया। वर्तमान में वे ABVP, जयपुर प्रांत के प्रांत मंत्री के रूप में संगठन विस्तार और राष्ट्रीय सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

बसेड़ी विधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी ओमप्रकाश कैन को किया प्रदेश महासचिव नियुक्त

जयपुर टाइम्स

धौलपुर बसेड़ी(निसं.)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग की नई कार्यकारिणी में प्रदेश स्तर पर संभाग प्रभारियों, कार्यकारिणी सदस्यों एवं जिलाध्यक्षों की नियुक्तियां की गई हैं। कांग्रेस संगठन ने इस बार युवाओं और जमीनी स्तर के सक्रिय कार्यकर्ताओं को तरजीह देते हुए टीम को नया स्वरूप प्रदान किया है। इसी क्रम में बसेड़ी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व कांग्रेस प्रत्याशी एवं दौपुरा निवासी ओमप्रकाश कैन को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग का प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति को लेकर न केवल कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह है, बल्कि समर्थकों ने भी इसे क्षेत्र की राजनीतिक सक्रियता और संगठन में बढ़ते प्रभाव का संकेत बताया। ओमप्रकाश कैन लंबे समय से अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय रहे हैं। पार्टी की ओर से प्रदेश स्तर की इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने के बाद कैन ने कहा कि 'मैं प्रदेश नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। संगठन

ने जिस विश्वास के साथ यह दायित्व सौंपा है, उसे पूरी निष्ठा, प्रतिबद्धता और जनसेवा की भावना के साथ निभाऊंगा। ' उन्होंने कहा कि वे रूट विभाग को और अधिक सशक्त बनाने, जमीनी कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने और कांग्रेस की नीतियों को हर स्तर तक पहुंचाने पर फोकस करेंगे। कैन की नियुक्ति के बाद क्षेत्र के कार्यकर्ताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। कई स्थानीय नेताओं ने कहा कि यह नियुक्ति बसेड़ी क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और इससे संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

चर्चित महताब हत्याकांड मामले में 2 वर्ष से फरार 25 हजार का इनामी हिस्ट्रीशीटर हार्डकोर बदमाश ज्वाला प्रसाद गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.) पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान IPS के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा RPS व वृत्ताधिकारी मनियां खलील अहमद RPS के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी मनियां नीरज कुमार पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा चर्चित महताब हत्याकांड मामले में करीब 2 वर्ष से फरार चल रहे 25 हजार रुपये का इनामी हार्डकोर बदमाश ज्वाला प्रसाद को पकड़ने में सफलता हासिल की है। घटना दिनांक 08 सितम्बर 2023 को श्याम सुन्दर पुत्र निरंजन सिंह जाति गुर्जर निवासी जलालपुर थाना मनियां जिला धौलपुर ने थाना मनियां पर रिपोर्ट दी कि दिनांक 08 सितम्बर 2023 को करीब 6 बजे की बात है मैं अचल सिंह, धीरज उर्फ धीरेन्द्र सिंह, ऊधम सिंह अन्य महताब पुत्र प्रधुमन सिंह निवासी जलालपुर के साथ पवन सरपंच टेंट वाले के यहां आये थे। महताब दुकान के अन्दर कुर्सी पर बैठा था और हम भी दुकान में ही बैठे थे। तभी सुमित, अमित पुत्रगण ज्वाला प्रसाद, सोनू पुत्र रामवकील निवासी बरीपुरा थाना बसई डांग व सोनू पुत्र लक्ष्मन सिंह निवासी बिरजापुरा थाना मनियां धौलपुर वहां पर मोटरसाइकिलों पर आये और दुकान के अंदर से महताब को एकदम दुकान से बाहर खींचकर लाये। महताब ने बचने की कोशिश की। परंतु इन्होंने महताब को रोड़ पर पटक लिया और उसमें गोलियां मार दी। अपने हाथ में लिये हथियार से इनके पास फरसा भी था। जिससे भी इन्होंने

महताब पर बार किया। और महताब को जान से मारने के बाद ये लोग हथियार लहराते हुए मोटरसाइकिलों से वहां से भाग गये। हमने पता किया तो इन चारों लोगों के साथ इस वारदात में भरत पुत्र रामप्रसाद, जीतेन्द्र पुत्र रामप्रसाद, गब्बर पुत्र मेवाराम, धवल पुत्र रामवीर, ज्वाला पुत्र होतीलाल, लोचन सिंह पुत्र राम सिंह, पप्पू पुत्र होतम सिंह, देवा पुत्र राममुकट व 3-4 अन्य भी शामिल थे। जो बाटर वर्क्स रोड़ के आस-पास व मनियां मुख्य हाइवे के आस-पास निगरानी व घेराबंदी में खड़े थे। जो बाद में मौके से भाग गये। जिसके सम्बन्ध में थाना मनियां पर मुकदमा धारा 120बी आईपीसी में दर्ज कर अनुसंधान प्रारम्भ किया गया एवं अनुसंधान के बाद उक्त मामले में 05 मुल्जिमों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है तथा मुल्जिमों से वारदात में प्रयुक्त हथियार व मोटरसाइकिलें बरामद हो चुकी हैं। फरार मुल्जिम ज्वाला प्रसाद की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम की कार्यवाही- वक्त घटना के बाद से ही मुल्जिम ज्वाला प्रसाद पुत्र होतीलाल उम्र 50 साल जाति गुर्जर निवासी जलालपुर थाना मनियां के एक मामले में फरार चल रहा था। उक्त मुल्जिम ज्वाला प्रसाद की तलाश व गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा भरपूर प्रयास किये जा रहे थे। मुल्जिम ज्वाला प्रसाद की गिरफ्तारी हेतु न्यायालय द्वारा स्थाई वारंट जारी किया गया था एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 507-20 दिनांक 19 फरवरी 2025 द्वारा उक्त मुल्जिम की गिरफ्तारी हेतु 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। मुल्जिम ज्वाला प्रसाद शातिर बदमाश किस्म का अपराधी है। उक्त मुल्जिम के विरुद्ध डकैती, हत्या का प्रयास, हत्या, मारपीट आदि के 10 मामले दर्ज हैं। उक्त मुल्जिम थाना मनियां का हिस्ट्रीशीटर एवं हार्डकोर अपराधी है। मुल्जिम ज्वाला प्रसाद गिरफ्तारी से बचने के लिये राजस्थान राज्य से बाहर दिल्ली गुडगांव एवं उत्तरप्रदेश राज्य में स्थान बदल बदलकर छिपकर फरारी काट रहा था। उक्त मुल्जिम ज्वाला प्रसाद के धौलपुर में आने की सूचना थाना मनियां पुलिस टीम को दीनदयाल हैड कांस्टेबल स्पेशल टीम धौलपुर द्वारा दी गई। उक्त सूचना पर थाना मनियां पुलिस टीम द्वारा तत्परता दिखाते हुए मुल्जिम ज्वाला प्रसाद जो पुलिस टीम को देखकर भागने लगा। जिसका काफी दूरी तक पीछाकर दिनांक 01 नवम्बर 2025 को धौलपुर शहर से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की। मुल्जिम को अनुसंधान के बाद उक्त मामले में थाना मनियां पर लाया गया। मुल्जिम से पूछताछ की जा रही है।

राज्यपाल बागडे के निर्देश पर जारी हुई अधिसूचना

जयपुर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा जारी आदेशों के अंतर्गत राजभवन को अब ' 'लोकभवन' के नाम से जाना जाएगा। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की पहल पर इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। एक दिसम्बर 2025 से यह अधिसूचना प्रभावी रहेगी। राज्यपाल बागडे ने कहा कि औपनिवेशिक मानसिकता से लोकतान्त्रिक भारतीय संस्कृति की ओर आगे बढ़ने की दिशा में 'लोकभवन' नामकरण बहुत बड़ी पहल है। उन्होंने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक राष्ट्र है। हमारे देश के संविधान की उद्देशिका ही 'हम भारत के लोग' से प्रारंभ होती है। लोकतंत्र में लोक ही प्रमुख है, इसलिए राज्यपाल का कार्यस्थल अब 'लोकभवन' नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा की 'लोकभवन' केवल नामकरण नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं, लोक आकांक्षाओं का प्रतीक है।

चरण को नहीं आचरण को छुना महानता है - मुनि श्री विलोक सागर जी

जयपुर टाइम्स

धौलपुर राजाखेड़ा(निसं.) चरण को नहीं आचरण को छुना महानता है यह कहना है आचार्य श्री विद्या सागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री विलोक सागर जी महाराज का । पूज्य महाराज जी श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर जैन धर्मशाला में आयोजित श्री 1008 चारित्र शुद्धि महामंडल विधान के दौरान आयोजित धर्मसभा को संबोधित कर रहे थे मुनि श्री ने कहा कि गुरु के चरण स्पर्श करी या न करो गुरु के आचरणों को स्पर्श करते रहना चाहिए । यदि हम चरण छूते रहे तो निश्चित रूप से हमारा कल्याण निश्चित है। लिखा भी है वंदे तद गुरु लब्धे यानी गुरु के गुणों से ही महानता प्राप्त की जा सकती है । इससे पूर्व विधान का प्रारंभ अभिषेक शांतिधारा के साथ किया गया। शांतिधारा करने का मंगल अवसर विधान पुण्यर्जक भगवानदास मक्खन लाल कल्ला जैन हनुमानपुरा वाले परिवार को प्राप्त हुआ । विधानाचार्य पंकज भैया जी ने बताया कि चरित्र शुद्धि विधान का अवसर मिलने पर व्रत और विधान अवश्य करना चाहिए । इस विधान का आयोजन 3 दिन तक चलेगा और 4 दिसंबर को विश्वशांति महायज्ञ के साथ समापन होगा।

प्रारूप-10
नियम (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

क्रमांकः नपासा/2025/2072 दिनांक 02.12.25

लोकसूचना

श्री राजेन्द्र वर्मा पुत्र श्री रामपाल वर्मा उम्र 31 वर्ष जाति बलाई निवासी तेज्या का बास, तहसील फुलेरा जिला जयपुर (राज) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं, अर्थात् :-

क्रं.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1	जयपुर	लालपुरा	3251/2811, 3253/3243	कुल किता 02 रकबा 0.9509 हैक्टेयर	कुल किता 02 रकबा 0.9509 हैक्टेयर भूमि को आवासीय में रूपान्तरण हेतु ।

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भू-रुपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा ।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02/12/25 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

प्रारूप-10
नियम (7) देखिए

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका मण्डल, सांभर लेक

क्रमांकः नपासा/2025/2075 दिनांक 02.12.25

लोकसूचना

श्री राजकमल जोतरिवाल पुत्र श्री मान सिंह, उम्र 37 वर्ष जाति बलाई निवासी आदर्श कॉलोनी, बिचून मार्ग फुलेरा, तहसील फुलेरा जिला जयपुर (राज) ने इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित भूमि का गैर कृषिक प्रयोजनों के लिये भू उपयोग परिवर्तन हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया हैं, अर्थात्

क्रं.सं.	जिले का नाम	ग्राम का नाम	खसरा नम्बर	रकबा	चाहा गया उपयोग
1	जयपुर	लालपुरा	3241/2812, 3250/2811, 3252/3243	कुल किता 03 रकबा 1.4264 हैक्टेयर	कुल किता 03 रकबा 1.4264 हैक्टेयर भूमि को आवासीय में रूपान्तरण हेतु

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोगार्थ (आवासीय भू-रुपान्तरण) हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा ।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 02/12/25 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी
नगरपालिका मण्डल सांभर लेक

नाम परिवर्तन

मेरा पूर्व में नाम चम्पालाल था अब मैनें अपना नाम परिवर्तन करवाकर चम्पा लाल प्रजापत करवा लिया है। अब भविष्य में इसी नाम चम्पालाल प्रजापत के नाम से जाना व पहचाना जावे। इस सम्बन्ध में कोई विवाद होने पर समस्त जिम्मेदारी मेरी स्वयं की होगी।

चम्पा लाल प्रजापत पुत्र मानकचंद निवासी ग्राम ढाणी कुम्हारान तहसील बीदासर जिला चूरू राजस्थान

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जिला ग्रामीण खण्ड - प्रथम, जयपुर

क्रमांक : 5301-5310 दिनांक: 25/11/25

निविदा सूचना संख्या - 118 - 122 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से विभिन्न कार्यो हेतु नियमानुसार उपर्युक्त श्रेणी में इस विभाग में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के समकक्ष श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है ।

निविदा फार्म ऑनलाईन वेबसाईट http//www.eproc.rajasthan.gov.in से दिनांक 09.12.2025 तक को सायं 5.00 बजे तक डाउनलोड / अपलोड किए जा सकते है । वेबसाईट पर तकनीकी बिड दिनांक 10.12.2025 को इस कार्यालय में प्रात: 11.00 बजे खोली जाएगी 7 राजस्थान सरकार, वित्त (जी एण्ड टी) विभाग के परिपत्र कमांक प.6(5)वित्त/सावि लेलि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ईप्रोक्योरमेन्ट पोर्टल पर ई-निविदाओ के प्रेषण के लिए एक ही चालान से बोली दस्तावेज मूल्य (Tender Fee) बिड सिक्योरिटी (EMD) एवं RISL फीस को ऑनलाईन ई-ग्रास सिस्टम के माध्यम से जमा करवाना आवश्यक है । निविदा शुल्क / धरोहर राशि / प्रक्रिया शुल्क एवं निविदा से संबधित अन्य समस्त विवरण वेबसाईट http//www.eproc.rajasthan.gov.in/www.dipronline.org पर देखे जा सकते है ।

NIT NO. 118- UBN- PHE2526WSRC09109
NIT NO. 119- UBN- PHE2526WSRC09111
NIT NO. 120- UBN- PHE2526WSRC09113
NIT NO. 121- UBN- PHE2526WSRC09115
NIT NO. 122- UBN- PHE2526WSRC09117

अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग
जिला ग्रामीण खण्ड प्रथम, जयपुर
T.Ph.0141-2221802

DIPR/C/17681/2025

जिला कलक्टर के निर्देश पर अवैध गैस रिफलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

जिला रसद कार्यालय के प्रवर्तन दल ने 740 वाणिज्यिक सिलेण्डर किये जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर जिला रसद कार्यालय, जयपुर प्रथम ने ऑपरेशन प्रवर्तन के तहत अवैध गैस रिफलिंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। मंगलवार को जयपुर शहर के रिहायशी क्षेत्र में अवैध गैस रिफलिंग एवं वाणिज्यिक गैस सिलेण्डरों के अनाधिकृत भण्डारण पर महत्वपूर्ण कार्रवाई की गई। जिला रसद अधिकारी जयपुर प्रथम प्रियव्रत सिंह चारण ने विशेष सतर्कता दल गठित कर सुखदेवपुरा नाटाणीवाला, 12 मील, श्रीराम की नांगल, सांगानेर में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान

लगभग 740 वाणिज्यिक गैस सिलेण्डर सघन आवासीय क्षेत्र में अवैध रूप से भण्डारित पाए गए, जिनमें कई सिलेण्डर वाहनों एवं घरातल पर खुले रूप में रखे हुए थे। परिसर से अवैध रिफलिंग में प्रयुक्त उपकरण, जैसे 02 इलेक्ट्रॉनिक कांटे, 05 गैस भट्टियाँ, 05 भगौने, गैस ट्रांसफर नलिकाएँ, रेगुलेटर, भारी मात्रा में सील एवं कैप आदि भी बरामद किए गए, जिन्हें पशु चारे के बीच छिपा रखा गया था। एक नकारा वाहन एवं बिना नामांकित पिकअप वाहन भी अवैध संचालन में प्रयुक्त पाए गए। मौके से 3 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया जिन्होंने पूछताछ में बताया कि सिलेण्डर अनिका गैस एजेंसी मुहाना एवं ब्रिलियंट गैस एजेंसी बगरू से संबंधित हैं। परिसर से अवैध रसीद बुक भी जब्त की गई है। दोनों एजेंसियों की संलिप्तता की जांच हेतु दो जांच दल गठित किए गए हैं जिन्हें 48 घंटों में रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। दोषियों के विरुद्ध द्रवित पेट्रोलियम गैस (रेग्युलेशन ऑफ सप्लाई एंड डिस्ट्रीब्यूशन) आदेश 2000 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत कार्रवाई की गई है। साथ ही आगे की जांच हेतु एक आरोपी का मोबाइल फोन भी जप्त किया गया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि ऐसे अवैध रिफलिंग केंद्र शहर में गंभीर दुर्घटना की संभावना बढ़ाते हैं, इसलिए इन पर सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

स्थानीय निकायों में ओबीसी के राजनीतिक आरक्षण को लेकर जयपुर में संभाग स्तरीय जनसंवाद

पर्याप्त प्रतिनिधित्व के लिए आयोग ने लिया जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संगठनों से फीडबैक

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के राजनीतिक आरक्षण एवं प्रतिनिधित्व को लेकर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनैतिक प्रतिनिधित्व) आयोग की ओर से मंगलवार को जिला परिषद सभागार, जयपुर में संभाग स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत्त न्यायाधीश मदन लाल भाटी, सदस्य गोपाल कृष्ण, प्रो. राजीव सक्सेना, मोहन मोरवाल, पवन मंडाविया तथा सदस्य सचिव अशोक कुमार जैन ने जनप्रतिनिधियों, सामाजिक व नागरिक संगठनों के पदाधिकारियों से विस्तृत संवाद किया। मालवीय नगर विधायक कालीचरण सर्राफ, सिविल लाइंस विधायक डॉ. गोपाल शर्मा, शाहपुरा विधायक मनीष यादव, जिला प्रमुख जयपुर रमा देवी चैपड़ा एवं सीईओ जिला परिषद प्रतिभा वर्मा सहित जयपुर संभाग के दौसा, अलवर, खैरथल-तिजारा, कोटपूतली-बहरोड़, सीकर एवं झुंझुनूं जिलों से प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अध्यक्ष श्री मदन लाल भाटी ने कहा कि आयोग संभाग स्तर पर सीधे संवाद के माध्यम से ओबीसी वर्ग को स्थानीय निकायों व पंचायत राज संस्थाओं में पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने के लिए विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेगा। उन्होंने बताया कि आयोग शीघ्र ही स्वतंत्र सर्वे करवाएगा, जिसमें 19 बिंदुओं के आधार पर ओबीसी वर्ग के राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन का निष्पक्ष आकलन किया जाएगा। सर्वोच्च न्यायालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप सरकार को रिपोर्ट सौंपकर ओबीसी वर्ग को वास्तविक लाभ दिलाने की प्रतिबद्धता भी जताई गई। सदस्य सचिव अशोक जैन ने आयोग के गठन, उद्देश्य एवं कार्यप्रणाली की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सर्वे के लिए स्वतंत्र एजेंसी के साथ मोबाइल ऐप की मदद भी ली जाएगी, जिससे सटीक आंकड़े जुटाए जा सकें। स्थानीय निकायों में राजनीतिक आरक्षण संबंधी सुझाव आयोग के कार्यालय, ई-मेल या व्यक्तिगत रूप से भी उपलब्ध कराए जा सकते हैं। जनसंवाद के दौरान अधिकांश वक्ताओं ने ओबीसी वर्ग को जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की मांग की। कई प्रतिनिधियों ने ओबीसी वर्ग में भी 'पिछड़ा' व 'अति पिछड़ा' वर्ग बनाकर मूल ओबीसी जातियों के संरक्षण तथा उनके पृथक राजनीतिक प्रतिनिधित्व का सुझाव रखा। साथ ही विभिन्न जिलों में सामाजिक-शैक्षिक पिछड़ेपन की भिन्न स्थिति को देखते हुए राजनीतिक आरक्षण की व्यवस्था भी जिलेवार तय करने का प्रस्ताव सामने आया जनसंवाद में उप जिला प्रमुख मोहन डागर, अधिवक्ता मदन लाल पुरी, जालसू प्रधान हरदेव यादव, सरपंच सांवरमल, एनजीओ प्रतिनिधि ईवादीप सक्सेना, सत्यनारायण सोनी, नरेशपाल यादव, विरेंद्र सिंह रावणा, प्रवीण तंवर सहित सातों जिलों से आए अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने सुझाव रखे।

भाजपा कार्यालय में राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और बाबूलाल खराड़ी ने की कार्यकर्ताओं की सुनवाई

आज चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर और महिला, बाल विकास मंत्री मंजू बाघमार करेंगी कार्यकर्ता सुनवाई

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय जयपुर में मंगलवार को उद्योग एवं वाणिज्य खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई आयोजित की गई। कार्यकर्ता सुनवाई के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए कर्नल राठौड़ ने कहा कि पार्टी का मूल दायित्व है कि जनता और कार्यकर्ताओं की समस्याओं का समाधान सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार अब नियमित रूप से पार्टी कार्यालय में सप्ताह में तीन दिन मंत्रियों एवं पदाधिकारियों द्वारा कार्यकर्ता सुनवाई की व्यवस्था शुरू की गई है। राठौड़ ने बताया कि मंगलवार को लगभग 90 परिवाद कार्यकर्ता सुनवाई में पहुंचे। कई समस्याओं का मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर निर्देश देकर त्वरित कार्रवाई कराई गई। कुछ मामलों को उचित विभागों को अग्रेषित किया गया जबकि नीतिगत विषयों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। कार्यकर्ताओं की समस्याएं मुख्यतः राजस्व, बिजली-पानी स्थानांतरण एवं विभिन्न विभागीय कार्यों से संबंधित थीं। राठौड़ ने कहा कि सुनवाई के माध्यम से समस्याएं सही अधिकारियों तक शीघ्रता से पहुंचने के कारण

समाधान तेजी से संभव हो पाता है। मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि डबल इंजन सरकार के कारण केंद्र से निरंतर सहयोग मिल रहा है और राज्य सरकार केंद्र की योजनाओं का लाभ धरातल तक पहुंचाने में तत्पर है ताकि केंद्र की प्रत्येक योजना का लाभ जनता तक समय पर पहुंचे। प्रदेश की पिछली कांग्रेस सरकार के समय समन्वय के अभाव के कारण विकास कार्य बाधित रहते थे, जबकि आज तेजी से काम होने से विपक्ष असहज महसूस कर रहा है कांग्रेसी नेताओं को पीडा हो रही है। वो दिल्ली एक परिवार के ढोक लगाने जाते थे हम दिल्ली देश की सरकार के पास जाते है। स्थानांतरण संबंधी सवालों पर राठौड़ ने कहा कि जब स्थानांतरण प्रक्रिया आरंभ होगी तब प्रस्तुत प्रस्तावों की सूची पर विचार किया जाएगा। इसके अलावा परिस्थिति के मुताबिक कानून से हटकर निर्णय लेने की जरूरत होगी तो प्रकरण मुख्यमंत्री तक पहुंचाया जाएगा। राठौड़ ने बताया कि राजस्थान निवेश की दृष्टि से तेजी से उभर रहा है क्योंकि यह उत्तर भारत का सबसे शांत सुन्दर एवं सुरक्षित प्रदेश है। राज्य में ऐसे कई सेक्टर हैं जिनमें अपार संभावनाएं हैं। राइजिंग राजस्थान और सिंगल विंडो क्लीरेंस के माध्यम से निवेश एवं रोजगार सृजन को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रवासी राजस्थान दिवस पर राठौड़ ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के अनुभव संसाधन और सीएसआर निवेश को संगठित रूप से प्रदेश के विकास से जोड़ा जा रहा है। इस पहल को उत्कृष्ट प्रतिक्रिया मिल रही है। कार्यकर्ता सुनवाई में भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी एवं प्रदेश मंत्री नारायण मीणा भी उपस्थित रहे। भूपेंद्र सैनी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पार्टी के कार्यकर्ताओं के लिए पार्टी कार्यालय में सरकार के मंत्रियों के द्वारा कार्यकर्ताओं की सुनवाई कार्यक्रम शुरू किया है जहां कार्यकर्ता अपने क्षेत्र की समस्याएं मंत्रियों के समक्ष रख सकते हैं। सैनी से विशेष तौर पर स्पष्ट किया कि यह कार्यकर्ता सुनवाई है ना की जनसुनवाई। सभी मंत्रीगण नियमित जनसुनवाई पूर्वानुसार अपने निवास और सचिवालय में करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सुनवाई में अपनी समस्या को मंडल अध्यक्ष जिलाध्यक्ष या जिला पदाधिकारी से अनुशंसा करवाकर पार्टी कार्यालय लेकर आएं। उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर बुधवार को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर तथा राज्य मंत्री पीडब्ल्यूडी एवं महिला एवं बाल विकास विभाग मंत्री मंजू बाघमार, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर, प्रदेश महामंत्री मिथिलेश गौतम कार्यकर्ता सुनवाई करेंगे। संबंधित विभागों से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता से सुना जाएगा।

पुलिस महानिदेशक ने आईजी और एसपी से किया संवाद, थानों में पीड़ितों से हो अच्छा व्यवहार

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। जोधपुर के कुड़ी थाना इलाके में कुड़ी पुलिस स्टेशन में वकील के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने भी इस घटना को काफी गंभीरता से लिया है कोर्ट में भी इस मामले को लेकर न्यायाधीश ने पुलिस के व्यवहार को लेकर नाराजगी जाहिर की थी इसके बाद पुलिस महानिदेशक कि राजीव शर्मा ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी पुलिस थानों में पीड़ितों के साथ अच्छा व्यवहार हो पीड़ित और पुलिस स्टाफ के बीच अच्छे माहौल में बातचीत हो और पीड़ित की हर शिकायत को रजिस्टर करने जैसे विषय को लेकर प्रदेश के सभी पुलिस महानिरीक्षक और पुलिस अधीक्षक के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बातचीत की और और अपनी ओर से आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए जानकारी के अनुसार अभी हाल ही में जोधपुर के कुड़ी थाने में वकील के साथ हुए दुर्व्यवहार को लेकर वकीलों में काफी गुस्सा छा गया था यह मामला कोर्ट में भी पहुंचा और पुलिस अधिकारियों को कोर्ट में उपस्थित होकर सफाई देनी पड़ी हालांकि कोर्ट ने पुलिस स्टेशन में पुलिस कर्मियों के व्यवहार को लेकर नाराजगी जाहिर की इसलिए पुलिस महानिदेशक ने प्रदेश के सभी पुलिस स्टेशन में नियुक्त पुलिस अधिकारियों और कर्मचारी का व्यवहार आम जन के प्रति दोस्ताना रहे और प्रत्येक पीड़ित व्यक्ति को राहत मिले इसकी शिकायत को रजिस्टर किया जाए और उसकी शिकायत की उचित जांच भी सही समय पर की जाए इन सब बातों को लेकर डीजीपी राजीव शर्मा ने सभी रेंज आईजी और पुलिस अधीक्षक को इन सब विषयों पर और गंभीरता से काम करने को कहा है उधर जोधपुर में कुड़ी थाने में वकील के साथ हुए दुर्व्यवहार को डीजीपी ने भी काफी गंभीर माना है हालांकि डीजीपी ने कहा है कि इस प्रकरण के बाद जोधपुर पुलिस कमिश्नर ने उचित और त्वरित कार्रवाई करते हुए एक्शन लिया है मीडिया से बातचीत के दौरान डीजीपी राजीव शर्मा ने कहा है कि पिछले 2 सालों में राजस्थान में अपराधों के आंकड़ों में कमी आई है पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों के निपटारे में तेजी आई है पीड़ितों की रिपोर्ट दर्ज की जा रही है और मामलों की त्वरित गति से जांच भी की जा रही है मामलों के पेंडेंसी में काफी सुधार हुआ है इसके अलावा पुलिस के जो नए कानून लागू हुए हैं उसमें मामलों के त्वरित निस्तारण के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं इन सब वजह से राजस्थान में अपराधों में काफी गिरावट आई है ।

चार धाम हेलीकॉप्टर सेवाओं में सुरक्षा बढ़ाना हमारी प्राथमिकता है: केंद्रीय मंत्री मुरलीधर

दुर्गम तीर्थस्थलों में भी सुरक्षित हेलीकॉप्टर मॉडल लागू करना स्वागत योग्य कदम: मदन राठौड़

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने चार धाम तीर्थयात्रा के दौरान हेलीकॉप्टर सेवाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के मुद्दे को सदन में प्रमुखता से उठाया। राठौड़ के सवाल के जवाब में नागर विमानन मंत्रीमुरलीधर मोहोल ने बताया कि हेलीकॉप्टर संचालन को अधिक सुरक्षित बनाने के लिए कई अतिरिक्त उपाय किए गए हैं। सहस्त्रधारा, देहरादून और सीतापुर केदारनाथ हेलीपैड पर विशेष नियंत्रण कक्ष स्थापित किए गए हैं। इन कक्षों में यूसीएडीए के प्रभारी अधिकारी एटीसी अधिकारी और आईएमडी अधिकारी वास्तविक समय के मौसम डेटा और यातायात स्थितियों के आधार पर गो और नो-गो निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार हैं। यह व्यवस्था तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई है। राठौड़ ने हेलीपैड निरीक्षण और प्रचालकों के ऑडिट पर भी स्पष्ट जानकारी मांगी। इसके जवाब में मंत्री ने बताया कि केदारनाथ के लिए परिचालन आरंभ करने से पहले डीजीसीए ने 7 हेलीपैडों और 6 हेलीकॉप्टर प्रचालकों का निरीक्षण ऑडिट किया। इसके अतिरिक्त चार धाम हेतु परिचालन की अनुमति प्रदान करने से पूर्व 12 प्रचालकों और 10 हेलीपैडों की विस्तृत जाँच की गई। चार धाम और केदारनाथ मार्गों पर अतिरिक्त मौसम कैमरों की स्थापना की गई है जिससे प्रतिकूल परिस्थितियों की त्वरित पहचान संभव हो सकी।

उन्होंने बताया कि मानसून-पश्चात चरण में सभी उड़ानें सुरक्षित और सुव्यवस्थित रूप से संचालित की गईं और डीजीसीए के उपायों ने विश्वसनीयता को और मजबूत किया है। राठौड़ ने बताया कि डीजीसीए अब सुरक्षा मानकों को सभी तीर्थ और पर्यटन हेलीकॉप्टर परिचालनों में लागू करने की दिशा में काम कर रहा है। इसके लिए 2023 के परिचालन परिपत्र में संशोधन किया गया है जिससे अब यह सुरक्षा ढांचा राष्ट्रव्यापी स्तर पर प्रभावी हो गया है। राठौड़ ने कहा कि तीर्थयात्रा भारत की सांस्कृतिक धरोहर और भावनाओं से जुड़ी है इसलिए इससे संबंधित सभी सेवाओं में सुरक्षा पारदर्शिता और दक्षता सर्वोपरि रहेगी । उन्होंने मंत्रालय द्वारा अपनाए गए उपायों पर संतोष व्यक्त किया और आग्रह किया कि भविष्य में भी इसी गंभीरता से यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

ब्लॉक बाड़ी, बसेड़ी एवं सरमथुरा के विकास कार्यों की समीक्षा, लापरवाह संवेदकों पर होगी कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निसं.)। जिला परिषद सभागार धौलपुर में पंचायत समिति बाड़ी, बसेड़ी एवं सरमथुरा के विकास अधिकारियों तथा ग्राम विकास अधिकारियों की समीक्षा बैठक मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद ए.एन. सोमनाथ की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पीएम स्वामित्व योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), महात्मा गांधी नरेगा एवं एमजेएसए योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सीईओ ने पीएम स्वामित्व योजना अन्तर्गत मैप-1 एवं मैप-2 समय पर जमा कराने के लिए ग्राम विकास अधिकारियों से समयसीमा तय करवाई तथा चेतावनी दी कि निर्धारित अवधि के बाद भी कार्यवाही नहीं होने पर सम्बंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत गांवों में सफाई व्यवस्था पर असंतोष व्यक्त करते हुए बताया गया कि संवेदकों के माध्यम से सफाई कार्य करवाने के बावजूद क्षेत्र भ्रमण के दौरान गांवों में गंदगी एवं कचरे के ढेर पाए जा रहे हैं। नियमित सफाई नहीं करने वाले संवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने तथा सफाई रजिस्टरों की प्रतियां जिला स्तर पर भिजवाने के निर्देश दिए गए। कीचड़ की समस्या से राहत के लिए सोक पिट/मैजिक पिट निर्माण, जियो टैगिंग एवं रिसोर्स रिकवरी सेंटरों के प्रभावी उपयोग पर जोर दिया गया। बैठक में बताया गया कि जिले की 28 ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक स्थापित हैं। शादियों एवं आयोजनों में प्लास्टिक के स्थान पर स्टील के बर्तनों के उपयोग हेतु ग्रामवासियों को प्रेरित करने को कहा गया। महात्मा गांधी नरेगा के तहत अपूर्ण कार्य शीघ्र पूर्ण करने, सामग्री मद अनुपात 40 प्रतिशत से अधिक वाली ग्राम पंचायतों में अधिक श्रमिक नियोजन, नरेगा श्रमिकों की ई-केवाईसी 10 दिवस में शत-प्रतिशत पूर्ण करने, चारागाह विकास कार्यों की निरंतर देखरेख तथा कन्वर्जेन्स के तहत स्वीकृत आंगनबाड़ी भवनों को शीघ्र चालू करने के निर्देश दिए गए। एमजेएसए फेज 2.2 के तहत सामुदायिक प्रकृति के अस्वीकृत कार्यों के तकमीना तैयार करने तथा स्वीकृत कार्यों को तुरंत प्रारम्भ करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में विभिन्न विभागों के अधीक्षण अभियंता, अधिशाषी अभियंता, जिला परियोजना समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रीरामपुरा में चोरो ने रात को सुन्ने मकान को बनाया निशाना

50 हजार की चोरी: मकान का ताला तोड़कर नकद, चांदी की करधनी(कमरबंद),दो पायजेब लेकर फरार

जयपुर टाइम्स

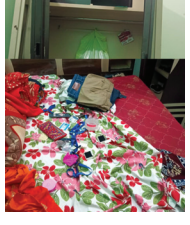

सांगानेर(निसं.)। सांगानेर उपखंड क्षेत्र श्रीरामपुरा के राधिका विहार प्रथम में रात को चोरी की वारदात हुई है। चोर रात एक मकान का ताला तोड़कर 50,000 रुपए नकद और चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गए। पीड़ित आनन्द कुमार पुत्र रामवतार कुमार ने बताया कि चोरों ने उनके घर से दो चांदी की अंगूठियां, दो पायजेब ,एक महिला करधनी (कमरबंद) और, दो चांदी की पायजेब चुरा ले गए। आनन्द कुमार मूल रूप से गांव ऐमनपुरा, जिला आगरा के निवासी हैं और वर्तमान में राधिका विहार प्रथम श्रीरामपुरा में रहते हैं। चोरी की सूचना मिलते ही गस्त पुलिस की गाडी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। घर का सामान बिखरा हुआ मिला, जिससे यह अनुमान लगाया जा रहा है कि चोरों ने पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

मदन राठौड़ ने राज्यसभा में जल प्रबंधन और भूजल संरक्षण जैसा बड़ा मुद्दा उठाया

जयपुर टाइम्स

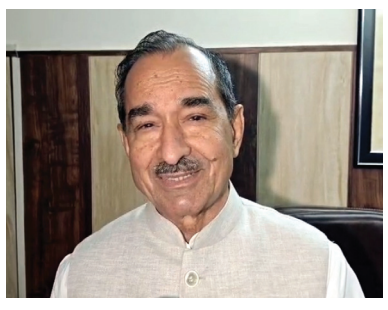

जयपुर(कासं.)। भाजपा के राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ ने सदन के पटल पर जल प्रबंधन भूजल संरक्षण और डिजिटल मॉनिटरिंग प्रणाली से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण जनहित के मुद्दे को उठाया। उन्होंने जल शक्ति मंत्रालय से यह स्पष्ट जानकारी मांगी कि देश में लागू विभिन्न जल संरक्षण योजनाओं की वास्तविक स्थिति क्या है और उनका आम जनता पर कितना असर पड़ रहा है। सांसद राठौड़ ने अटल भूजल योजना की प्रगति और इससे संबंधित राज्यों तथा ग्राम पंचायतों की वर्तमान स्थिति पर सवाल उठाए। जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि अटल भूजल योजना एक सामुदायिक नेतृत्व आधारित कार्यक्रम है जिसे सात राज्यों गुजरात , हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के 8203 ग्राम पंचायतों में लागू किया गया है। यह क्षेत्र वे हैं जहां लंबे समय से जल की अत्यधिक कमी देखी जा रही है। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य भूजल स्तर में सुधार करना समुदायों को जल प्रबंधन की मुख्य धारा से जोड़ना और मांग-पक्ष प्रबंधन को सशक्त बनाना है। इस योजना की बदौलत हजारों गांवों में जल उपयोग के प्रति जागरूकता और सहभागिता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि जल शक्ति अभियान कैच द रेन के तहत देशभर के सभी जिलों में व्यापक कार्य चल रहे हैं। जल शक्ति मंत्रालय द्वारा विकसित जियो-मंडल जीआईएस प्लेटफॉर्म और डिजिटल डैशबोर्ड इस अभियान का प्रमुख आधार हैं। इनके माध्यम से विभिन्न राज्यों से प्राप्त आंकड़ों को रियल-टाइम में संकलित किया जाता है जिससे निरीक्षण निगरानी और मूल्यांकन बेहद सरल हो गया है। साथ ही राष्ट्रीय भूजल सूचना प्रणाली में जियो-टैग डेटा जोड़कर राज्यों को निर्णय लेने में बेहतरीन सहायता दी जा रही है। मंत्री चौधरी ने बताया कि नवंबर 2023 के बाद भूजल स्तर की निगरानी के लिए पाईजोमीटर नेटवर्क का विस्तार, भू-जलकूपों के अवलोकन केंद्रों की संख्या में वृद्धि और डिजिटल जल सूचना प्रणाली का व्यापक विकास किया गया है। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य जल संरक्षण को वैज्ञानिक और सटीक डेटा पर आधारित बनाना है। राष्ट्रीय भूजल मीटरिंग कार्यक्रम में आईओटी आधारित उपकरण भूजल सेंसर और डिजिटल मॉड्यूल का उपयोग कर भूजल स्तर का उच्च-रिज़ॉल्यूशन आंकड़ा प्राप्त किया जा रहा है जिससे असंगतियां जल्दी पता चल जाती हैं। इसी प्रकार देशभर में लगभग 23,000 डिजिटल जल-स्तर रिपोर्ट्स का एक राष्ट्रीय नेटवर्क स्थापित किया गया है, जिसके माध्यम से भूजल की प्रवृत्तियों रिक्त जलाशयों की क्षमता और रिचार्ज दरों का लगातार अध्ययन किया जाता है। यह नेटवर्क राज्यों को वैज्ञानिक नीति निर्माण में प्रत्यक्ष सहयोग देता है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय जल सूचना-विज्ञान केंद्र देश का केंद्रीय जल डेटा बैंक है जो स्थलाकृति जलभृत संरचना बाढ़ विश्लेषण और जल गुणवत्ता से संबंधित आंकड़ों को एकत्र करके सरकार के लिए विश्वसनीय तकनीकी आधार तैयार करता है। इसी प्रकार केंद्रीय जल आयोग द्वारा विकसित वेब-बेस्ड जल स्रोत सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से 592 बांधों में जलाशय स्तर और 150 मासिक नमूनों का मूल्यांकन किया जाता है। भारत का जल प्रबंधन अब तेजी से डिजिटल वैज्ञानिक और पारदर्शी दिशा में आगे बढ़ रहा है। समुदायों की भागीदारी आधुनिक तकनीक और रियल-टाइम डेटा का उपयोग मिलकर देश को भविष्य के जल संकट से निपटने के लिए अधिक सक्षम बना रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि हर राज्य जल संरक्षण भूजल उपयोग और सतत जल प्रबंधन में स्वावलंबी और तकनीकी रूप से सशक्त बने।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।